अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com | उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र | आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 14 अंक 344 | लखनऊ, गुरुवार, 03 जुलाई 2025 | पृष्ठ: 8 | मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

विदेशी निर्भरता से झुक रही है किसान की रीढ़ : राहुल

नई दिल्ली। कंग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि किसान के लिए खाद जैसी जरूरी वस्तु विदेश पर निर्भता बढ़ रही है और इसे कम करने के प्रयास नहीं हो रहे हैं,इसलिए किसान की रीढ़ लगातार झुक रही है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स'पर कहा, ़भारत कृषि प्रधान देश है और किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। लेकिन आज यही रीढ़ विदेशी निर्भरता के कारण झुकती जा रही है। भारत 80 प्रतिशत स्पेशियलिटी फर्टिलाइज़र चीन से मंगाता है और अब चीन ने सप्लाई रोक दी है। यह पहली बार नहीं है - यूरिया और डीएपी जैसे ज़रूरी खादों की कमी से देश भर का किसान अब तक जूझ ही रहा है कि अब स्पेशियलिटी खाद का 'चीनी संकट' मंडराने लगा।

हिमाचल में बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं में 10 मरे, 34 लापता

शिमला/मंडी। हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को भूस्खलन और बादल फटने की कईं घटनाओं में मंडी जिले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है जबकि 34 लोग लापता हैं। हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा अभियान केन्द्र ने यह जानकारी दी है। पिछले तीन वर्षों से राज्य में लगातार कहर बरपा रहे मानसून के कारण एक बार फिर से मंडी के कई क्षेत्रों, खासकर करसोग, थुनाग, पधर और गोहर उप-मंडलों में तबाही मची हुयी है। इस बीच 20 जून से 1 जुलाई के बीच राज्य में मौसम संबंधी घटनाओं में लगभग 90 लोगों की मौत या लापता होने की सूचना है। बुधवार सुबह 8 बजे जारी 32 घंटे की स्थिति रिपोर्ट के अनुसार मंडी के विभिन्न हिस्सों से 10 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है और आधिकारिक तौर पर 34 लोगों के लापता होने की सूचना है। कई लोगों के मलबे में दबे होने या अचानक आई बाढ़ में बह जाने की आशंका है।

ट्रेन रिजर्वेशन चार्ट तैयार करने का समय बदला, अब 8 घंटे पहले तैयार होगी सूची

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आरक्षण सूची (चार्ट) तैयार करने के नियमों में बदलाव किया है। नए निर्देशों के अनुसार, अब यात्रियों को अपने यात्रा की स्थिति पहले से पता चल सकेगी, जिससे उन्हें समय रहते सीट की उपलब्धता की जानकारी मिल सकेगी। रेलवे बोर्ड की ओर से बुधवार को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, अब विभिन्न समय पर चलने वाली ट्रेनों के लिए पहले आरक्षण चार्ट तैयार करने की प्रक्रिया को दो हिस्सों में बांटा गया है।

प्रधानमंत्री मोदी पांच देशों की यात्रा पर रवाना

पांच देशों की मेरी यात्रा से दक्षिण के देशों के साथ सहयोग संबंध मजबूत होंगे : मोदी

● प्रधानमंत्री मोदी का पांच देशों की यात्रा पर प्रस्थान पूर्व वक्तव्य

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच देशों की यात्रा पर नई दिल्ली से रवाना हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया के लिए प्रस्थान करने से पहले जारी वक्तव्य में कहा, ''मेरी इन देशों की यात्रा से वैश्विक दक्षिण में भारत के मैत्रीपूर्ण रिश्ते मजबूत होंगे।'' प्रधानमंत्री के इस वक्तव्य को भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने जारी किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर भी साझा किया है। उन्होंने लिखा है, '' आज, मैं

02 से 09 जुलाई 2025 तक घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की पांच देशों की यात्रा पर जा रहा हूं। राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा के निमंत्रण पर मैं 02-03 जुलाई को घाना जाऊंगा। घाना वैश्विक दक्षिण में एक मूल्यवान भागीदार है और अफ्रीकी संघ और पश्चिमी अफ्रीकी राज्यों के आर्थिक समुदाय में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मैं अपने आदान-प्रदान की प्रतीक्षा कर रहा हूं जिसका उद्देश्य हमारे ऐतिहासिक संबंधों को और गहरा करना और निवेश, ऊर्जा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, क्षमता निर्माण और विकास साझेदारी के क्षेत्रों सहित सहयोग के नए द्वार खोलना है। साथी लोकतंत्रों के रूप में, घाना की संसद में बोलना मेरे लिए सम्मान की बात होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, '' पोर्ट ऑफ स्पेन से मैं ब्यूनस आयर्स की यात्रा करूंगा। यह 57 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की अर्जेंटीना की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। अर्जेंटीना लैटिन अमेरिका में एक प्रमुख आर्थिक साझेदार है और जी-20 में एक करीबी सहयोगी है। मैं राष्ट्रपति जेवियर माइली के साथ अपनी चर्चा का इंतजार कर रहा हूं, जिनसे मुझे पिछले साल मिलने का सौभाग्य भी मिला था। हम कृषि, महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा, व्यापार, पर्यटन, प्रौद्योगिकी और निवेश के क्षेत्रों सहित अपने पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

भारत ब्रिक्स के लिए प्रतिबद्ध

उन्होंने कहा, '' मैं 06-07 जुलाई को रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा। एक संस्थापक सदस्य के रूप में, भारत उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में ब्रिक्स के लिए प्रतिबद्ध है। साथ मिलकर, हम एक अधिक शांतिपूर्ण, न्यायसंगत, लोकतांत्रिक और संतुलित बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के लिए प्रयास करते हैं। शिखर सम्मेलन के दौरान, मैं कई विश्व नेताओं से भी मिलूंगा। मैं एक द्विपक्षीय राजकीय यात्रा के लिए ब्रासीलिया की यात्रा करूंगा, जो लगभग छह दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा होगी। यह यात्रा ब्राजील के साथ हमारी घनिष्ठ साझेदारी को मजबूत करने और मेरे मित्र, राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ मिलकर ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगी।

शिवसेना चुनाव चिन्ह विवाद पर 14 को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय शिवसेना और शिवसेना (यूबीटी) के बीच 'धनुष-बाण' चुनाव चिह्न आवंटन विवाद से संबंधित मामले में 14 जुलाई को विचार करेगा। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने बुधवार को शिवसेना (यूबीटी) की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत की इस मामले में तत्काल सुनवाई की गुहार पर सहमति व्यक्त की।

अधिवक्ता कामत ने गुहार लगाते हुए कहा कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों से संबंधित घोषणा अगले सप्ताह कभी भी की जा सकती है। पीठ के समक्ष उन्होंने कहा, ़हम कुछ अंतरिम निर्देश चाहते हैं।? जैसे एनसीपी मामले में जारी किए गए थे। उन्हें चुनाव चिह्न दे दिया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की

अगुवाई वाली शिवसेना की ओर से पेश हुए अधिवक्ता ने कहा कि दो चुनाव हो चुके हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष इसी तरह की याचिका का उल्लेख किया गया था, जिसे खारिज कर दिया गया। पीठ ने कहा, ़भले ही चुनाव अधिसूचित हो जाएं, लेकिन यह आखिरकार उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ है। इस पर श्री कामत ने कहा, ़नहीं नहीं यह चुनाव चिह्न का विवाद है। मामला दो साल से लंबित है। पीठ ने फिर पूछा, ़अगर यह लंबित है तो कोई समस्या नहीं है, कोई अधिकार (जो मिलना चाहिए) नहीं जाएगा। इतनी जल्दी क्या है। अधिवक्ता ने कहा कि यह अंततः लोगों की पसंद का सवाल है।

पार्टियों की ओर से अधिकृत व्यक्तियों की चिठ्ठी-पत्री पर ही गौर करेगा चुनाव आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने फैसला किया है कि वह राजनीतिक दलों की ओर से चिठ्ठी-पत्री में उनका प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले ऐसे व्यक्तियों की बात पर ही गौर करेगा जिन्हें दल के प्रमुखों द्वारा आयोग से संपर्क के लिए बाकायदा अधिकृत किया गया होगा। इस बीच आयोग के अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि बिहार में मतदाता सूचियों के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' के विषय में बातचीत के लिए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव और पार्टी द्वारा दी गयी दोनों अधिकारिक मेलों पर को 30 जून को निमंत्रण भेजा गया था। इन मेल में उन्हें आज शाम पांच बजे का समय दिया गया था। आयोग के अधिकारियों ने बताया कि पार्टी की ओर से

आज की बैठक के बारे में उन्हें सुबह तक कोई पुष्टि नहीं की गयी है। अधिकारियों के अनुसार फिलहाल आयोग आज शाम भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर सकता है। इस बैठक के लिए इस पार्टी ने अपनी सहमति की पुष्टि कर दी है। इस बीच आयोग ने कुछ राजनीतिक दलों की ओर से आयोग को 30 जून और दो जुलाई को मेल भेजने वाले उमर होदा को आज एक मेल करके कहा है, ़भविष्य में, राजनीतिक दलों और आयोग के बीच किसी भी अनधिकृत संचार को रोकने के लिए, आपको उस राजनीतिक दल के प्रमुख से वैध प्राधिकरण प्रस्तुत करने की सलाह दी जाती है जिसका आप प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं। आयोग के सचिव ने श्री होदा को लिखा है, मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि आपके 30 जून 2025 के ईमेल के अनुसार, उल्लिखित राजनीतिक दलों से प्राधिकरण का कोई सबूत न होने के बावजूद, आयोग ने संबंधित राजनीतिक दलों को 02 जुलाई 2025 को शाम 05:00 बजे का समय दिया था और पार्टियों के प्रमुखों से एक अधिकृत व्यक्ति के साथ उक्त बैठक में उनकी उपस्थिति की पुष्टि मांगी थी। इस मेल में कहा गया है कि अभी तक केवल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के महासचिव ने ही इस संबंध में पुष्टि की है।

क्वाड देशों ने की पहलगाम हमले की कड़ी निंदा

दक्षिण चीन सागर की स्थिति पर जताई चिंता

● वाशिंगटन डीसी में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद संयुक्त बयान जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के क्वाड समूह ने संयुक्त रूप से हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में स्वतंत्रता, स्थिरता और कानून के शासन की रक्षा के लिए अपने साझा संकल्प को दोहराया है। बैठक में समुद्री सुरक्षा, आपूर्ति शृंखला, प्रौद्योगिकी और आतंकवाद जैसे विषयों पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। क्वाड देशों ने पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है और दोषियों को

जल्द न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान किया गया। आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद विशेष रूप से सीमापार आतंकवाद की कड़ी निंदा की है और आतंकवाद के खिलाफ सहयोग की प्रतिबद्धता दोहराई है। म्यांमार संकट पर क्वाड ने युद्धविराम की आवश्यकता दोहराई और आसियान की पांच बिंदु सहमति के कार्यान्वयन का समर्थन किया। म्यांमार भूकंप राहत के लिए संयुक्त रूप से 3 करोड़ डॉलर की सहायता राशि की घोषणा की।

वॉशिंगटन डीसी में आयोजित क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है, ़हम इस निंदनीय कृत्य (पहलगाम हमले) के अपराधियों, आयोजकों और वित्तपोषकों को बिना किसी देरी के न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान करते हैं और सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों से आग्रह करते हैं कि वे अंतर्राष्ट्रीय कानून और प्रासंगिक यूएनएससीआर के तहत अपने दायित्वों के अनुसार इस संबंध में सभी प्रासंगिक अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करें। वाशिंगटन डीसी स्थित अमेरिकी विदेश विभाग में कल क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित की गई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो, जापान के ताकेशी इवाया और ऑस्ट्रेलिया की पेनी वॉन्ग ने इसमें भाग लिया। बैठक के बाद के संयुक्त वक्तव्य में क्वाड ने पूर्वी और दक्षिण चीन सागर की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई है। जबरन यथास्थिति बदलने, सैन्य जहाजों और तटरक्षक बल द्वारा खतरनाक हरकतों और संसाधनों में हस्तक्षेप जैसे कदमों को क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा बताया है।

शीघ्र और पारदर्शी हो जन समस्याओं का समाधान : योगी

● जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, निस्तारण के लिए अफसरों को दिए निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की। ध्यान से सबकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का निराकरण शीघ्रता और

पारदर्शिता शीघ्रता से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

सभी 75 जिलों में होगा ग्रोथ प्रमोटर व ऑर्गेनिक पेस्टिसाइड का इस्तेमाल, 20% तक बढ़ेगा उत्पादन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● योगी सरकार हर जिले में पंचगव्य आधारित नवाचार से खोलेगी रोजगार के द्वार

लखनऊ। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने और जैविक कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए योगी सरकार ने एक दूरगामी योजना तैयार की है। राज्य के सभी 75 जिलों में जल्द ही ग्रोथ प्रमोटर और ऑर्गेनिक पेस्टिसाइड का उपयोग शुरू किया जाएगा। पंचगव्य आधारित नवाचार को केंद्र में रखते हुए यह अभियान रोजगार, पर्यावरण संरक्षण और कृषि सुधार इन तीनों मोर्चों पर ठोस प्रभाव डालेगा।विशेषज्ञों के अनुसार, इससे फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और उत्पादन में लगभग 20% तक की वृद्धि सम्भावित है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गोबर, गोमूत्र, दूध, दही और घी से बने पंचगव्य उत्पादों के उत्पादन और विपणन को लेकर व्यापक योजना तैयार की गई है, जिसका कार्यान्वयन जल्द प्रारम्भ किया जाएगा।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने भव्यता से मनाया अपना स्थापना दिवस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास अवध प्रांत ने 2 जुलाई को अपना स्थापना दिवस मनाया इस अवसर पर न्यास ने समाज में चरित्रवान नागरिकों के निर्माण हेतु चरित्र निर्माण और व्यक्तित्व के समग्र विकास विषय पर एक विमर्श का आयोजन लखनऊ के स्कार्पियो क्लब परिसर में स्थित धर्म भारती राष्ट्रीय शान्ति एवं सतत विकास विद्या पीठ में किया गया. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ विद्या विन्दु सिंह और मुख्य वक्ता चिन्मय मिशन के ब्रह्मचारी आचार्य स्वामी कौशिक चैतन्य जी महाराज थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो कीर्ति नारायण ने किया.

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास अवध प्रांत के संयोजक प्रमिल द्विवेदी ने बताया कि व्यक्तित्व का विकास प्रक्रिया है चरित्र निर्माण उसका परिणाम, सम्पूर्ण शिक्षा तथा समस्त अध्ययन का एकमेव उद्देश्य है व्यक्तित्व को गढ़ना शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का स्थापना दिवस 2 जुलाई को मनाया जाता है। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, भारत में शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में काम करने वाला एक संगठन है, इसके संस्थापक दीनानाथ बत्रा थे, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व प्रचारक और विद्या भारती के पूर्व निदेशक भी रहे हैं। चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास विषय शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का आधारभूत विषय हैं, क्योंकि मूल्यपरक शिक्षा के अभाव में मनुष्य के चरित्र का निर्माण एवं

व्यक्तित्व का समग्र विकास कठिन कार्य है। सही अर्थों में शिक्षा में भारतीयता तभी आ सकती है, जब उसमें मूल्यबोध का समावेश हो। इसी को ध्यान में रखकर 'चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास'' विषय को न्यास ने आगे बढ़ाया है। इस दृष्टि से ़पंचकोश की संकल्पना'' को '' केन्द्र में रखकर न्यास ने विद्यालय स्तर पर पाठ्यक्रम और पुस्तकें तैयार की हैं और निरंतर इस विषय की कार्यशालाओं का आयोजन कर रहा है।

प्रमिल द्विवेदी ने आह्वान करते हुए कहा कि लोकतंत्र में सरकार एवं समाज दोनों के संयुक्त प्रयास से ही किसी भी क्षेत्र में परिवर्तन संभव है,न्यास के द्वारा प्रारम्भ किये गए इन प्रयासों में आप भी तन मन धन से अपनी आहुति प्रदान करें। मुख्य वक्ता ०चिन्मय मिशन के ब्रह्मचारी आचार्य स्वामी कौशिक चैतन्य जी महाराज ने कहा कि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास अवध प्रांत द्वारा चरित्र निर्माण जैसे अति महत्वपूर्ण विषय पर विमर्श आयोजित करने की पहल सराहनीय है शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास चरित्र

● चरित्र निर्माण और व्यक्तित्व के समग्र विकास विषय पर हुआ विमर्श

निर्माण के क्षेत्र में काम करता है, जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से छात्रों में नैतिक मूल्यों और अच्छे चरित्र का विकास करना है।

उन्होंने आगे कहा कि आत्मतत्व का व्यक्त रूप है व्यक्ति, सृष्टि पर जीवों में श्रेष्ठ व्यक्त रूप मनुष्य है व्यक्ति की भाववाचक संज्ञा व्यक्तित्व. इनके दो हिस्से हैं आतंरिक एवं बाह्य, व्यक्तित्व को समझना है तो पञ्च कोष(अन्नमय कोष, प्राणमय कोष, मनोमय कोष, विज्ञानमय कोष और आनंदमय कोष) को समझना होगा. पांचों कोषों का विकास यानि व्यक्तित्व का समग्र विकास इस हेतु कुछ करणीय बिन्दु है जैसे मन की एकाग्रता बढ़ाने हेतु अध्ययन,स्वाध्याय,पढाई कार्य शुरू करने से पूर्व तीन बार ?कार एवं एक मिनुत मौन रखें । यह न्यास शिक्षा में भारतीयता को पुनः स्थापित करने और मानव चेतना के विकास पर भी जोर देता है। छात्रों में दयाभाव और सिंह जैसा साहस पैदा हो,छात्र संयमित बनें तथा प्रत्येक छात्र को पूर्ण ब्रह्मचर्य का अभ्यास करने की शिक्षा देनी चाहिए.व्यक्ति नियमित जो भी कार्य करता है, वह उसकी आदत बन जाती है. लम्बे समय तक आदत रहने से वह उसका स्वाभाव बन जाता है वही चरित्र कहलाता है अच्छी आदतें ही मूल्य हैं हमारे शैक्षिक संस्थाओं एवं परिवारों में अच्छी आदतों (मूल्य शिक्षा) के द्वारा व्यक्ति सदाचारी बनेगा, उनके आधार पर वह नैतिकता के रास्ते पर चलने हेतु सक्षम होगा जिससे समाज में चरित्रवान नागरिकों का निर्माण होगा। कार्यक्रम का संचालन दीप नारायण पांडेय ने किया तथा योगाचार्य डॉ सत्येन्द्र सिंह ने कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का धन्यवाद् ज्ञापित किया कार्यक्रम में विशेषरूप से जिनकी उपस्थिति रही उनमे प्रो कीर्ति नारायण, पूर्व कृषि निदेशक ए पी श्रीवास्तव, निमिष कपूर, चैतन्य अग्रवाल सहित प्रदेश भर से पधारे अनेक शिक्षाविद, वैज्ञानिक, प्रोफ़ेसर्स, डॉक्टर्स, चिन्तक, लेखक, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता, बैंकर्स सहित मनीषा जगत से अनेक गणमान्य लोग शामिल थे ।

औद्योगिक विकास में ई-गवर्नेंस की मिसाल बना उत्तर प्रदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना नयूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार औद्योगिक विकास के क्षेत्र में लगातार नए मानक स्थापित कर रही है। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) द्वारा ई-गवर्नेंस के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं का डिजिटल क्रियान्वयन प्रदेश को 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' की दिशा में अग्रणी बना रहा है। निवेश मित्र पोर्टल के जरिये उद्यमियों को अब 37 प्रकार की सेवाएं ऑनलाइन मिल रही हैं। बीते पांच वर्षों में ऑनलाइन आवेदनों की संख्या और उनके त्वरित निस्तारण में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। 2024-25 में कुल 9719 आवेदन निस्तारित किए गए, जो 2020-21 के 6094 आवेदनों की तुलना में लगभग 60 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है।

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि उद्यमियों की संतुष्टि भी योगी सरकार की नीतियों की सफलता का प्रमाण है। 2024-25 में 'निवेश मित्र' पर प्राप्त फीडबैक के स्तर पर 96.63 प्रतिशत रहा, जो पिछले वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय उन्नति है। सरकार ने भूमि आवंटन की प्रक्रिया को भी अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाया है। अब मेगा इकाइयों को केवल 15 दिनों में भूमि आवंटन किया जा रहा है। वहीं सामान्य ई-नीलामी प्रक्रिया में भी समय सीमा को 30 दिन से घटाकर 15 दिन कर दिया गया है। इसके साथ ही वित्तीय संस्थानों ने दोहरे स्टांप शुल्क से छूट दी है, जिससे निवेशकों का विश्वास और बढ़ा है। योगी सरकार की मंशा साफ है कि निवेशकों को सरल, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम वातावरण देना, ताकि उत्तर प्रदेश जल्द ही भारत का औद्योगिक इंजन बन सके। इसके तहत यूपीसीडा ने तकनीक को पूरी तरह से अपनाते हुए जीआईएस वन मैप पोर्टल के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्रों का ड्रोन सर्वेक्षण और अतिक्रमित प्लॉट्स की पहचान की जा रही है। साथ ही, एमआईएस, ओबीपीएएस सॉफ्टवेयर और मोबाइल ऐप्स के माध्यम से रियल टाइम डेटा उपलब्ध कराया जा रहा है। पीएम गति शक्ति के साथ एकीकरण और पैच प्रबंधन के लिए मोबाइल एप्लीकेशन जैसी पहल उत्तर प्रदेश को भारत के सबसे तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक राज्यों की कतार में लाकर खड़ा कर रही है।

कर्नल को थप्पड़ मारने वाला इंस्पेक्टर लाइन हाजिर

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में इंस्पेक्टर विनय कुमार सरोज को लाइन हाजिर कर दिया गया। आरोप है कि उन्होंने 21 जून को लेफ्टिनेंट कर्नल आनंद प्रकाश सुमन को थप्पड़ मारने के बाद कार चढ़ाने की कोशिश की थी। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई थी, जिसके आधार पर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। 21 जून की सुबह करीब 9.40 बजे कर्नल सुमन अपनी हुंडई इऑन कार से तेलीबाग चौराहे से गुजर रहे थे, तभी सामने से रॉन्ग साइड से ब्रेजा कार (संभवतः पुलिस वाहन) आ गई। वो किसी तरह से ब्रेजा कार से टकराने से बचे। पीछे से एक ऑटो उनकी कार से टकरा गया। कर्नल ने इस पर नाराजगी जताई, तो ब्रेजा कार में सवार इंस्पेक्टर ने पहले गाली-गलौज की, फिर उनकी कार की खिड़की खोलकर थप्पड़ मारा। उन पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की। इससे कर्नल के बाएं पैर में चोट आई। मध्य यूपी सब एरिया के जीओसी मेजर जनरल सलील सेठ और स्टेशन कमांडर ने पुलिस कमिश्नर से मिलकर मामले की निष्पक्ष और त्वरित जांच की मांग की थी।

गुरु पूर्णिमा पर कथावाचकों का सम्मान करेगी भाजपा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी इस बार प्रदेश भर में गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर कथावाचकों का सम्मान करेगी। प्रदेश नेतृत्व की ओर से जिला अध्यक्षों को इस बारे में निर्देश भेजा गया है। प्रदेश के सभी जिलों में विभिन्न जाति और वर्ग से जुड़े कथाकारों से संपर्क कर उनका अभिनंदन किया जाएगा। इसके अलावा मठ, मंदिर व विभिन्न जाति व संप्रदाय से जुड़े आचार्य पुरोहित, गुरूजनों व उनके कुल गुरुओं का भी सम्मान किया जाएगा। कुछ स्थानों पर पार्टी के वरिष्ठ नेता भी गुरु पूर्णिमा पर आश्रम में जाकर गुरुपूजन करेंगे।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता आलोक वर्मा ने बताया कि व्यक्ति के जीवन में गुरू का विशेष स्थान होता है। गुरू के मार्गदर्शन में व्यक्ति का व्यक्तित्व निखरता है। अच्छे बुरे का ज्ञान हमें गुरू ही कराता है। हिन्दू समाज गुरू पूर्णिमा के दिन मंदिर व आश्रमों में जाकर गुरू पूजा कर उनका सानिध्य ग्रहण करता है और आशीर्वाद लेता है। इस बार गुरू पूर्णिमा के दिन भाजपा की ओर से कथावाचकों का भी सम्मान करने की योजना है। इटावा की घटना के बाद सक्रिय हुई भाजपा विदित हो कि इटावा की घटना के बाद भारतीय जनता पार्टी की ओर से कथावाचकों के सम्मान को डैमेज कंट्रोल के रूप में देखा जा रहा है। इटावा में जाति छुपाने के आरोप में कथावाचक की चोटी काटी गयी थी। इस घटना का पूरे प्रदेश में विरोध हुआ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीड़ित पक्ष को बुलाकर पार्टी मुख्यालय में सम्मानित किया था। अब गुरू पूर्णिमा के अवसर पर कथावाचकों का सम्मान कर भाजपा समाज में सकारात्मक संदेश देना चाहती है।

सरकारी स्कूलों को मर्ज करने का निर्णय सरकार का गरीब विरोधी फैसला: मायावती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों के एकीकरण के नाम पर सरकार का अनेक विद्यालयों को बंद या मर्ज करने का निर्णय अनुचित है। गरीब छात्रों के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए सरकार को इस निर्णय को तत्काल वापस लेना चाहिए। अगर सरकार ये निर्णय वापस नहीं लेती है तो बसपा सरकार आने पर इस फैसले को रद्द किया जाएगा। मायावती ने बुधवार को एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने प्राथमिक विद्यालयों के युग्मन/एकीकरण की आड़ में बहुत सारे स्कूलों को बंद करने वाला जो फैसला लिया है, वह गरीबों के करोड़ों बच्चों को उनके घर के पास दी जाने वाली सुगम व सस्ती सरकारी शिक्षा व्यवस्था के प्रति न्याय नहीं, बल्कि पहली नजर में ही स्पष्ट तौर पर यह अनुचित है। सरकार का यह निर्णय गैर-जरूरी एवं गरीब-विरोधी है। बसपा प्रमुख ने कहा कि सरकार से मांग की है कि वह अपना एकीकरण का यह फैसला गरीब छात्र-छात्राओं के व्यापक हित में तुरन्त वापस लें। यदि सरकार अपना यह फैसला वापस नहीं लेती है तो फिर हमारी पार्टी इनके सभी माता-पिता व अभिभावकों को यह विश्वास दिलाना चाहती है कि बसपा की सरकार बनने पर फिर इस फैसले को रद्द करके पुनः यहां प्रदेश में पुरानी व्यवस्था बहाल की जायेगी। वैसे उम्मीद है कि यूपी सरकार गरीबों व आमजन की शिक्षा के व्यापक हित को नज़र में रखते हुए अपने इस फैसले को बदलने के बारे में जरूर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगी।

दीवार तोड़कर घर में घुसी स्कॉर्पियो, 3 लोग घायल

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बीते मंगलवार देर रात एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार संकल्प वाटिका के पास एक मकान की दीवार तोड़ते हुए अंदर घुस गई। हादसे में घर में रहने वाले दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्कॉर्पियो सवार एक युवक भी घायल हो गया। स्कॉर्पियो सवार दो युवक और एक युवती मौके से फरार हो गई। स्कॉर्पियों के डैश बोर्ड पर बियर की बोतल रखी थी। बीजेपी के ब्लॉक प्रमुख का स्टिकर चस्पा था। स्कॉर्पियो उत्तराखंड नंबर की है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बीती रात यानी मंगलवार को स्कॉर्पियो बेकाबू होकर मकान की दीवार फाड़ती हुई घर के अंदर घुस गई। स्कॉर्पियो में तीन युवक और एक युवती सवार थे। सभी नशे की हालत में नजर आ रहे थे। हादसे के बाद एक युवक कार में ही घायल पड़ा रहा, बाकी दो युवक और युवती मौके से फरार हो गई। कार से बियर की बोतल और नशे से जुड़ा सामान मिला। स्थानीय लोगों ने बताया कि स्कॉर्पियो बहुत तेज रफ्तार में थी और झूमते हुए आ रही थी। महानगर पुलिस का कहना है कि स्कॉर्पियो को कब्जे में लेकर जांच की जा रही है।

बारिश से कैंट रोड सहित विस्तारित क्षेत्रों में जलजमाव, बढ़ी लोगों की परेशानी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में मंगलवार को हुई बारिश से नगर निगम मुख्यालय से चंद कदमों की दूरी पर ओडियन सिनेमा के पास यदुनाथ सान्याल रोड सहित विस्तारित क्षेत्रों सुल्तानपुर रोड, मोहान रोड और कंचन बिहारी मार्ग पर जलजमाव हो गया। शहर के कई इलाकों में सीवर ओवरफ्लो की समस्या आयी। जोन 7 के मायावती कालोनी, आलमनगर, गोमती नगर, रेल नगर आशियाना और अमीनाबाद में मुमताज मार्केट और प्रताप मार्केट में सीवर चोक होने से गंदा पानी घरों और दुकानों तक पहुंच गया। नगर निगम के कंट्रोल रूम में सीवर संबंधी लगभग 80 शिकायतें दर्ज की गईं। इसके अलावा चार स्थानों पर पेड़ गिरने की घटना हुई। परिवर्तन चौराहे के पास, अलीगंज में कपूरथला चौराहा और गोमती नगर में सहारा शहर की ओर जाने वाले मार्ग पर पेड़ गिर गया। नगर निगम के उद्यान विभाग की टीम ने मौके से पेड़ हटवाकर मार्ग चालू कराया। गोमतीनगर, हजरतगंज सहित कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर बिजली कड़कने के तेज आंधी आ सकती है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 32.9 डिग्री रहा जो कि सामान्य से 3.0 डिग्री कम था। वहीं न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री रहा यह सामान्य से 1.2 डिग्री कम था। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अगले दो दिन तक तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

सड़क हादसे में टेम्पो चालक की मौत, पिकअप ने टेम्पो को मारी टक्कर आरोपी फरार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। जिले के गोसाईगंज क्षेत्र में माई जी का पुरवा के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। दोपहर करीब 12.30 बजे एक तेज रफ्तार महिंद्रा पिकअप ने विक्रम टेम्पो को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में विक्रम टेम्पो चालक उमेश चंद्र साह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना फैजाबाद रोड से किसान पथ के रास्ते पर हुई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विक्रम टेम्पो पलट गया। राहगीरों ने तुरंत एंबुलेंस को सूचना दी। घायल उमेश चंद्र को ट्रॉमा सेंटर ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। महिंद्रा पिकअप का चालक हादसे के बाद वाहन समेत फरार हो गया। मृतक के बेटे अजीत कुमार साहू ने स्थानीय थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। अजीत बिजनौर थाना क्षेत्र के नटकर गांव का रहने वाला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डॉ. राजीव वर्मा बने अखिल विश्व सत्य सनातन संघ के प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ। अखिल विश्व सत्य सनातन संघ ने अपना विस्तार करते हुए डा. राजीव वर्मा को उत्तर प्रदेश में संघ का प्रदेश अध्यक्ष/प्रांत प्रमुख घोषित किया गया। अखिल विश्व सत्य सनातन संघ 'वसुधैव कुटुंबकम' के ध्येय वाक्य पर चलते हुए सनातन धर्म के उन्नयन, प्रचार और प्रसार करने के साथ ही साथ समाज में व्याप्त विभिन्न कुरीतियों यथा जाति पाति- भेदभाव आदि को समाप्त करने के लिए कार्य करता है। डॉ. राजीव वर्मा एक प्रतिष्ठित समाजसेवी होने के साथ ही एक निजी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के डीन छात्र कल्याण के पद पर कार्यरत है। डा. राजीव वर्मा ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि जल्दी ही उत्तर प्रदेश के 75 जिलों एवं 18 मंडलों में अखिल विश्व सत्य सनातन संघ जिला प्रमुखों और मंडल प्रमुखों का मनोनयन किया जाएगा। इससे प्रदेश के घर-घर में अखिल विश्व सत्य सनातन संघ के विचारों को पहुंचाया जा सकेगा। डा. वर्मा ने अखिल विश्व सत्य सनातन संघ के बारे में बताते हुए कहा कि हमारा मानना है कि विश्व का प्रत्येक मानव सनातनी ही है इसलिए आपस में कोई विवाद नहीं होना चाहिए, उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश एक विशाल राज्य है और यहां जाति-वर्ग आधारित विवादों को चरणबद्ध तरीके से जागरूकता पैदा करके समस्या को समाप्त किया जाएगा ताकि समाज में रहने वाले प्रत्येक इंसान को बराबरी का हक मिल सके।

अखिलेश यादव को कानूनी नोटिस, धीरेंद्र शास्त्री के अंडर द टेबल भुगतान के आरोपों का सबूत मांगा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीतिक और धार्मिक गलियारों में एक नए कानूनी विवाद ने जन्म लिया है। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को लखनऊ के निवासी संजय शर्मा की ओर से एक कानूनी नोटिस भेजा गया है। इस नोटिस में धार्मिक प्रवचनकर्ता पंडित धीरेंद्र शास्त्री और अन्य कथावाचकों पर अवैध भुगतान के आरोप लगाने के लिए सबूत मांगे गए हैं। कानूनी नोटिस के अनुसार, अखिलेश यादव ने सार्वजनिक रूप से कथित तौर पर कहा था कि पंडित धीरेंद्र शास्त्री और अन्य कथावाचकों ने अपने धार्मिक प्रवचनों के बदले में अंडर द टेबल (गैर-कानूनी या अघोषित) भुगतान स्वीकार किए हैं। संजय शर्मा ने, जो खुद को ब्राह्मण हिंदू बताते हैं, अखिलेश यादव के लखनऊ और नई दिल्ली के पते पर यह नोटिस ईमेल द्वारा भेजा है और 15 दिनों के भीतर आरोपों को साबित करने वाले सबूत मांगे हैं। संजय शर्मा ने अखिलेश यादव से मांगा है कि वे अपने आरोपों को साबित करने वाले सभी दस्तावेजी, इलेक्ट्रॉनिक या अन्य सबूत 15 दिनों के भीतर प्रस्तुत करें। नोटिस में कहा गया है कि अखिलेश यादव के बयान से शर्मा और अन्य धार्मिक गतिविधियों से जुड़े लोगों को गंभीर प्रतिष्ठा हानि, मानसिक तनाव और सार्वजनिक अपमान झेलना पड़ा है।शर्मा ने चेतावनी दी है कि अगर 15 दिनों के भीतर सबूत नहीं दिए गए तो यह आरोपों की निराधारता मानी जाएगी और वे मानहानि तथा अन्य अपराधों के लिए आवश्यक नागरिक औरध्या आपराधिक कार्रवाई शुरू करने को मजबूर होंगे। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे नोटिस आमतौर पर सार्वजनिक आरोपों को वापस लेने या साबित करने की मांग के लिए भेजे जाते हैं और मानहानि की कार्रवाई से पहले की प्रारंभिक प्रक्रिया है। अखिलेश यादव के पास अब 15 दिनों का समय है कि वे इस नोटिस का जवाब दें औरमांगे गए सबूत प्रस्तुत करें। अगर ऐसा नहीं होता है, तो संजय शर्मा आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर सकते हैं।

एलडीए नीलाम करेगा सहारा बाजार, कॉम्पलेक्स के दुकानदारों को मिलेगा पूरा भुगतान

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण पॉलिटेक्निक चौराहा के पास बना सहारा बाजार नीलाम करेगा। सम्पूर्ण भुगतान करने वाले दुकानदारों को अन्य जगह पर दुकानें आवंटित की जाएंगी। प्राधिकरण ने सहारा बाजार पर कब्जा लेने के बाद नीलामी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्राधिकरण ने सहारा इंडिया कार्पोरेशन को 9 जनवरी 1987 में 30-30 वर्ष की लीज पर भूखंड आवंटित किया था। जिस पर कॉम्प्लेक्स बनाकर दुकानों की बिक्री की गईं। किसी ने संपूर्ण भुगतान किया तो किसी ने नहीं किया। दुकानें भी पूरी तरह से आवंटित नहीं की गईं। 9 जनवरी 2017 को भूखंड की लीज अवधि समाप्त हो गई और आवंटी संस्था द्वारा डीड का नवीनीकरण नहीं कराया गया। इसकी कमेटी द्वारा उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने जांच कराई थी। कमेटी को मौके पर परिसर जर्जर और जगह-जगह गंदगी मिली थी।

कौम की उन्नति शिक्षा पर आधारित है: मौलाना मो. मुश्ताक़

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मिल्लत व कौम की उन्नति शिक्षा प्राप्त करने पर आधारित है। शिक्षा से दूरी, अज्ञानता में वृद्धि, हमारे पीछें होने का कारण है। इस्लाम शिक्षा का दीन है। इस्लाम अज्ञानता का अन्त करता है और शिक्षा को फैलाता है। खुदा पाक के अन्तिम नबी पाक को पूरी दुनिया के लिए शिक्षक बनाकर भेजा गया। खुदा पाक ने अपनी पहली वही (आदेश) में शिक्षा का बयान फरमया। नबी पाक ने मदीना शरीफ में सबसे पहली कक्षा की सुफ्फा में स्थापना की। इसी कक्षा के विधार्थियों ने पूरी दुनिया में शिक्षा का प्रकाश फैलाया और अज्ञानता के अन्धेरों को खत्म किया। इन शब्दो का इज़हार ऑल इण्डिया सुन्नी बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना मो0 मुश्ताक़ने किया। मौलाना ने कहा कि खलीफाओं के दौर में इस्लाम का दायरा बहुत बड़ा हुआ। पूरे पूरे देश इस्लाम के नूर से रौशन हुए। सहाबा रजि0 जहाँ भी इस्लाम के प्रचार व प्रसार के लिए गए वहाँ उन्होनें शिक्षा की रौशनी खूब फैलायी। यही कारण है कि आज दुनिया के जिस भाग में शिक्षा का वर्णन होता है वह इन पवित्र लोगों के मेहनत का फल है। उन्होने कहा कि सहाबा रजि0 के दौर के बाद खुलाफा के दौर में मुस्लिम देशों में शिक्षा का बाजार गरम था। साइंस, भुगोल, चिकित्सा, मार्डन मीडिसिन, गणित जैसे लाभदायक विषयों के उत्पादक मुसलमान ही हैं। जब हम ने शिक्षा का दामन छोड़ दिया, पतन ने हमको घेर लिया है। मौलाना ने कहा कि सहाबा जैसे पवित्र जमाअत की पैरवी करते हुए हम को चाहिए कि शिक्षा खूब प्राप्त करें।

पकड़ी गई ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन की अवैध फैक्ट्री

- किराना स्टोर की आड़ में चल रही थी, 1.20 करोड़ के इंजेक्शन बरामद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। काकोरी इलाके में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (औषधि अनुभाग) और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। हनुमंत किराना एंड जनरल स्टोर की आड़ में प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बनाया जा रहा था। मौके से तीन आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। छापेमारी में 2396 भरी बोतलें मिलीं। हर बोतल में 180एमएल प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन, 77,900 भरे एम्प्यूल, हर एम्प्यूल में 2एमएल, 800 खाली बोतलें, रबर कैप, एल्युमिनियम सील, प्लास्टिक कूप्पियां, नमक के पैकेट और इंजेक्शन भरने की पाइप मिली है। इनकी कीमत करीब 1.20 करोड़ रुपए बताई जा रही है। टीम ने इंजेक्शन का नमूना लेकर जांच के लिए भेज दिया है। बाकी बचे इंजेक्शन और सामग्री को सीज कर दिया है।अधिकारियों ने बताया कि प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बनाने की पूर्व में सूचना मिली थी। इसको लेकर सर्विलांस और मुखबिर को सक्रिय किया गया था। 2 जुलाई को सूचना मिली कि काकोरी में हनुमंत किराना एंड जनरल स्टोर के आवासीय परिसर में प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बनाने की अवैध फैक्ट्री चल रही है। सूचना के आधार पर अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ अमित कुमार नागर और सहायक आयुक्त (औषधि) बृजेश कुमार के निर्देशन में टीम ने छापा मारा। टीम में औषधि निरीक्षक विवेक कुमार सिंह, इंस्पेक्टर दिलीप तिवारी और एसटीएफ के अन्य अधिकारी शामिल रहे। टीम ने खगेश्वर पुत्र सुकई निवासी बसंत सिंह पुरवा सीतापुर, अवधेश पाल पुत्र लीला पाल, निवासी बुद्धेश्वर मॉडल सिटी लखनऊ और अनमोल पाल पुत्र अवधेश पाल, निवासी मायापुरम लखनऊ को गिरफ्तार किया गया। उनके खिलाफ काकोरी थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया।

स्कूलों के मर्जर के खिलाफ आप पार्टी कार्यकर्ताओं का जमकर हंगामा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आम आदमी ने स्कूलों के मर्जर के खिलाफ जमकर हंगामा किया। कैसर बाग स्थित स्वास्थ्य भवन चौराहे पर जिला अध्यक्ष इरम रिजवी की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी किया। मधुशाला नहीं पाठशाला चाहिए ,शिक्षा मंत्री मुर्दाबाद का नारा लगाया। प्रदर्शन से पहले आप पार्टी के लीगल सेल के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश श्रीवास्तव को हाउस अरेस्ट कर लिया गया। कैसर बाग में कार्यकर्ताओ ने योगी सरकार मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए जमकर हंगामा और विरोध किया जिला अध्यक्ष इरम को पुलिस ने लाद कर गाड़ी में बैठाया। पुलिस और कार्यकर्ताओं में जमकर नोकझोंक हुई। विधानसभा की ओर बढ़ रहे आप पार्टी के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। इस दौरान बहस और झड़प हुई।कार्यकर्ताओं ने कहा कि पहले रेल बेच दिया, एयरपोर्ट बेच दिया, बिजली विभाग के निजीकरण की तैयारी हो रही है। अब सरकारी स्कूलों में भी मर्जर के नाम पर ताला लगा रहे हैं। इस्मा जहीर ने कहा कि अगर स्कूल बना नहीं सकते तो स्कूलों को बंद तो न किया जाए। लानत है ऐसी सरकार पर जो पाठशाला बंद करके मधुशाला खोल रही है। हमें मधुशाला नहीं पाठशाला चाहिए। सरकार पेंशन बंद करने को भलाई बताती है। यह जानते हैं कि अगर इस देश के बच्चे पढ़ लिख गए तो सवाल पूछेंगे। सरकार सवालों के घेरे में आने से बचने के लिए स्कूल बंद कर रही है। ऐसा कभी नहीं हुआ कि स्कूलों को बंद करके मधुशाला खोला जाए। इस सरकार ने मदरसों पर बुलडोजर चलाया। गैर कानूनी तरीके से कभी जाति के नाम पर तो कभी धर्म के नाम पर गरीबों के घर गिराए। जिसने इनके खिलाफ आवाज उठाई उस पर बुलडोजर चलेगा। जब तक यह सरकार स्कूल मर्जर का फैसला वापस नहीं ले लेती है आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन जारी रहेगा। हम लोग सड़क से लेकर सदन तक आम आदमी के लिए संघर्ष करने वाले लोग हैं। इरम रिजवी ने कहा कि यह सरकार गरीब और छात्र विरोधी है। प्रदेश में 27 हजार से अधिक स्कूलों का मर्जर हो रहा है जो की बेहद अफसोस नाक है। छात्रों को बेहतर सुविधा देने के बजाय स्कूलों पर ताला लगा कर शिक्षा से दूर कर रही है। स्कूल मर्जर के खिलाफ हमारा ये आंदोलन जारी रहेगा। स्कूल मर्जर से छात्रों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा इसके साथ ही सैकड़ो की संख्या में शिक्षक बेरोजगार हो जाएंगे। सरकार आम जनता के साथ धोखा कर रही है।

रोगी कल्याण समिति की हुई बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में रोगी कल्याण समिति की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने रोगी कल्याण समिति के बजट दस्तावेजों को देखा। उन्होंने कहा कि रोगी कल्याण समिति में धनराशि जुटाने के लिए अतिरिक्त प्रयास किये जाएं। मरीजों के लिए सुविधाओं को बेहतर बनाया जाये। संस्थागत प्रसव की संख्या बढ़ाई जाये। विभिन्न प्रकार की सर्जरी के लिए प्रत्येक सर्जन का एक लक्ष्य निर्धारित किया जाये। 100 बेड अस्पताल में बेरा जाँच की संख्या बढ़ाई जाये। मरीजों के लिए पेयजल, शौचालय व अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जाये। मरीजों के लिए सूचना डेस्क स्थापित की जाये। आयुष्मान कार्ड के लिए एक अलग हेल्प डेस्क बनवाया जाये। जिला अस्पताल के सभी सीसीटीवी कैमरों की सक्रियता सुनिश्चित की जाये। सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखा जाये। 100 बेड अस्पताल में 15 बेड की एक अतिरिक्त एनआरसी स्थापित करने के लिए प्रस्ताव तैयार किया जाये। श्रावण से पूर्व यात्रा मार्ग की प्रत्येक सीएचसी में बर्न मरीजों हेतु कम से कम 2 बेड आरक्षित किये जाएं। मानव संसाधन की कमी को दूर करने के लिए शासन को प्रेषित करने हेतु प्रस्ताव तैयार किया जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, सीएमएस 100 शय्या अस्पताल अनिल कुमार शुक्ल व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूलों में उपलब्ध करायी जाये आयुष की निवारक किट: डीएम

राष्ट्रीय प्रस्तावना

■ जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई आयुष की बैठक

हरदोई। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में आयुष विभाग की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने आयुर्वेद विभाग के कई डॉक्टरों की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताते हुए उनको कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के अवशेष विद्युत संयोजन का कार्य जल्द पूर्ण किया जाये। प्रत्येक विकास खण्ड के कुछ विद्यालयों में आयुष की निवारक किट उपलब्ध करायी जाये। प्रारम्भ में इसको पायलट आधार पर किया जाये। शिक्षकों को भी प्रशिक्षित किया जाये। अभिभावकों से भी इस सम्बन्ध में संवाद किया जाये। आयुष से सम्बंधित सभी विभाग समन्वय कर एक कार्य योजना तैयार कर लें। टेली कंसल्टेशन के माध्यम से मरीजों की सहायता की जाये।

इस अवसर पर जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ आशा रावत व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पिछला वर्ग मोर्चा के नगर अध्यक्ष ने जन्मदिन के मौके पर मरीज को बांटे फल और किया वृक्षारोपण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। शाहाबाद विधानसभा के सरकारी अस्पताल में भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नगर अध्यक्ष दीपकमल राठौर ने अपने जन्मदिन पर डिलीवरी वार्ड में भर्ती मरीजों को फल वितरण किये तत्पश्चात आम का पेड़ व अमरूद का पेड़ सरकारी अस्पताल में लगाया भाजपा ओबीसी मोर्चा के नगर अध्यक्ष ने कहा की पेड़ पौधों से ही पर्यावरण अच्छा रहता हैं हम सभी को पेड़ पौधों लगना चाहिए जिससे पर्यावरण अच्छा रहेगा तभी हम सभी स्वस्थ रहेगें। इस सुअवसर भाजपा ओबीसी मोर्चा के नगर अध्यक्ष दीपकमल राठौर, सीएचसी शाहाबाद अधीक्षक प्रवीण दीक्षित, नगर महामंत्री राजीव कुमार सोनी, नि0 सभासद देवेन्द्र प्राप्त गुप्ता, नगर मंत्री नीरज राजपूत, आकाश राठौर, रागी गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहें।

कोतवाली से 100 मीटर दूर शोरूम में चोरी

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। सवायजपुर कस्बे में स्थित एक निर्माणाधीन

शोरूम में बीती रात अज्ञात बदमाशों ने तोड़फोड़ की। शोरूम सवायजपुर कोतवाली से मात्र 100 मीटर की दूरी पर हाईवे किनारे स्थित है। बदमाशों ने शोरूम का शटर काटकर अंदर प्रवेश किया। उन्होंने वहां रखे जनरेटर, कल्टीवेटर और अन्य कीमती सामान को नुकसान पहुंचाया। इस घटना से लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। घटनास्थल से कुछ कदम की दूरी पर सीओ कार्यालय और कोतवाली परिसर है। वहां 24 घंटे पुलिस तैनात रहती है। शोरूम के मालिक अंकित सिंह ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। अंकित सिंह स्थानीय विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू के रिश्तेदार हैं। कोतवाल ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। हाईवे और कोतवाली के बीच हुई इस घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

■ बदमाशों ने शटर काटकर जनरेटर और कल्टीवेटर किए क्षतिग्रस्त, लाखों का नुकसान

विधायक निधि का दुरुपयोग

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अतरौली क्षेत्र में विधान परिषद सदस्य की विकास निधि का दुरुपयोग सामने आया है। अतरौली के मजरा शिवपुरी में एक निजी व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स में इंटरलॉक टाइल्स लगाने का मामला प्रकाश में आया है। एमएलसी अशोक अग्रवाल की विकास निधि से अजय पाल बाजपेयी की दुकान से अंकुर बाजपेयी की मार्केट तक इंटरलॉक लगाई गई थी। मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी ने इस कार्य की दूसरी किश्त का भुगतान रोक दिया है। सीडीओ ने विभागीय अधिकारियों को पहले किए गए भुगतान के लिए फटकार लगाई है। उन्होंने विधायक विकास निधि के नियमों के विपरीत कार्य कराने के मामले की जांच के आदेश दिए हैं। दोषियों से राशि की वसूली की जाएगी। इसके अलावा, भ्रामक तथ्यों के आधार पर स्वीकृति देने वाले सत्यापनकर्ता अधिकारी के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

■ निजी कॉम्प्लेक्स में इंटरलॉक लगाने पर सीडीओ ने रोका भुगतान, जांच के आदेश

नियमितताओं के चलते कोटेदार पर लगा पांच हजार का जुर्माना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। विकास खण्ड मल्लावां की ग्राम पंचायत गंज जलालाबाद की कोटेदार रेनू यादव एक बार फिर अनियमितताओं को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। ज्ञातव्य हो कि रेनू यादव एक पुलिस सिपाही की पत्नी है जो गंज जलालाबाद में न रहकर अपने पति के साथ रहती है। नियम विरुद्ध राशन दुकान का लाइसेंस उसके नाम बना है। लेकिन इसे उसका ससुर दंबग नरेश यादव चलाता है। राशन कार्ड धारको को समय पर राशन न देना, राशन की घटतौली करने आदि के कई गंभीर आरोप इस पर है। लेकिन पूर्ति विभाग के संरक्षण के कारण इसका यह कार्य बदस्तूर जारी है। इस शिकायत के पूर्व भी घटतौली तथा कार्ड धारको के साथ गाली-गलौज करने और धमकाने आरोप का आरोप लगते रहे हैं। समय-समय पर जिला पूर्ति अधिकारी की तरफ़ से नियमानुसार आवश्यक वस्तुओं का उठान-वितरण कार्य करने की कठोर चेतावनी मिलती रही है। लेकिन रेनू यादव ने अधिकारियों की बात को अनसुना कर घटतौली का कार्य जारी रखा। जिसके चलते गांव के लोगों ने एक बार फिर गांव के मुखिया से शिकायत की। गांव के लोगों ने बताया है कि कोटेदार रेनू यादव का कामकाज देखने वाला जो उसका ससुर हैं जब उनसे घटतौली को लेकर कहा जाता है तो वह तथा उसके अन्य लड़के अभद्र भाषा शैली का प्रयोग करते हैं। मरने-मारने पर उतारू हो जाते हैं। इसलिए गांव के मुखिया अभिषेक दीक्षित ने जिलाधिकारी से शिकायत कर रेनू यादव की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। अभिषेक दीक्षित ने ग्राम पंचायत गंज जलालाबाद विकास खंड मल्लावां की उचित दर विक्रेता रेनू यादव के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराते हुए कार्यवाही किए जाने की मांग की। अभिषेक दीक्षित का कहना है कि रेनू यादव के नाम पर कोटेदार का लाइसेंस होना ही नियमावली के विरुद्ध है। क्योंकि रेनू यादव के पति पुलिस विभाग में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत हैं। जिसके चलते रेनू यादव का लाइसेंस रद्द किया जाना चाहिए।

वहीं जिला पूर्ति अधिकारी ने शिकायतकर्ता से सम्पर्क कर शिकायत की स्थलीय जांच 02 जून, 2025 को पूर्ति निरीक्षक मल्लावां बिलग्राम द्वारा कराई गई। जांच में पाई गई अनियमितताओं के क्रम में रेनू यादव पर 06 जून, 2025 को आरोप पत्र जारी करते हुए स्पष्टीकरण मांगा गया। जिस पर रेनू यादव ने अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया। जिसका परिक्षण क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी बिलग्राम द्वारा किया गया। जिसमें गड़बड़ी के चलते अर्थात् अनियमितताओं के कारण 21 जून, 2025 रेनू यादव को भविष्य में नियमानुसार आवश्यक वस्तुओं का उठान-वितरण कार्य करने की कठोर चेतावनी के साथ विक्रेता की जमा प्रतिभूति से 5000 रूपए जुर्माना लगाकर शासन के पक्ष में जब्त करते हुए अर्थ दण्ड दिया गया है।

स्कूल से लाखों की इंटरलॉकिंग गायब, प्राथमिक विद्यालय में जांच के दौरान प्रधानाचार्य नदारद, बीईओ ने मांगा स्पष्टीकरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। पिहानी कस्बे में छिपी टोला प्राथमिक विद्यालय से नगर पालिका द्वारा लगाई गई लाखों रुपए की इंटरलॉकिंग गायब हो गई है। यह मामला 1 जुलाई को स्कूल खुलने पर सामने आया।

स्कूल परिसर से इंटरलॉकिंग गायब देख पूर्व सभासद संजीव समाजसेवा ने नगर पालिका और खंड शिक्षा अधिकारी को सूचित किया। खंड शिक्षा अधिकारी प्रियंका सिंह जब जांच के लिए पहुंचीं, तो विद्यालय में ताला लगा मिला। प्रधानाचार्य राजीव कुमार त्रिपाठी निर्धारित समय से दो घंटे पहले ही वहां से चले गए थे। बीईओ ने कहा कि बिना अनुमति इंटरलॉकिंग हटाना नियमों का उल्लंघन है। प्रधानाचार्य से इस मामले में स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। यह भी जांच की जा रही है कि किसके आदेश पर इंटरलॉकिंग हटाकर ईंट का खड़ंजा बिछाने की योजना बनाई गई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि यह काम स्थानीय सभासद की मिलीभगत से किया गया है। बीईओ ने पूरे मामले की रिपोर्ट जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को भेज दी है। अगली कार्रवाई उनके निर्देश पर होगी। यह घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

एक जुलाई से 31 जुलाई तक एक मुश्त समाधान योजना पुनः चालू

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। एक मुश्त समाधान योजना वर्ष 2024-25 एक जुलाई से 31 जुलाई तक एक मुश्त समाधान पुनः चालू की गई। जिसमें पुराने रजिस्ट्रेशन उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। उक्त जानकारी नवागत उपखंड अधिकारी पुनीत कुमार दुबे ने दी। जो भी उपभोक्ता बकायेदार हैए वह एक मुश्त समाधान योजना का लाभ उठा लेए समय से जमा न होने पर विद्युत कनेक्शन विच्छेद किया जाएगा। इस योजना के डिफाल्टर हुए पंजीकृत उपभोक्ताओं को विलंबित भुगतान अधिभार में छूट दिए जाने का प्रावधान है। डिफॉल्टर उपभोक्ताओं का शेष बकाया के साथ रुपए एक हजार या मिलने वाली छूट का 10 प्रतिशत जो भी राशि अधिक हो, 31 जुलाई, 2025 तक पुनः प्रभावी होगा। विलंबित भुगतान अधिभार में छूट प्रदान करने हेतु पात्र उपभोक्ता द्वारा पूर्व में कराया गया पंजीकरण ही 31 जुलाई, 2025 तक पुनः प्रभावी होगा। नवीन पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होगी। भुगतान हेतु विद्युत उपकेंद्र कछौना में जमा कर लाभ उठा सकते हैं अथवा भुगतान यूपीपीसीएल वेबसाइट, जन सेवा केंद्र, मीटर रीडर, विद्युत सखी के पास जमा कर सकते हैं।

ट्रिपिंग, रोस्टिंग् व फेस व लोकल फाल्ट की समस्या ने लोगो का जीना किया बेहाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। तेज हवा व हल्की बारिश के चलते मल्लावां विद्युत उपकेंद्र की आपूर्ति ठप्प हो जाती है। रोज रोज कई कई घंटे हो रही ट्रिपिंग के चलते लोगो को बिजली न मिलने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मल्लावां उपकेंद्र पर बीकापुर सब स्टेशन से विद्युत आपूर्ति होती है। सोमवार की शाम को हल्की बारिश व तेज हवा के चलते विद्युत आपूर्ति ठप्प हो गई। जो कई घंटों के बाद सही हो सकी। इसी तरह मंगलवार को सुबह 11 बजे पेड़ो की छटाई के नाम पर बिजली आपूर्ति ठप्प कर दी गई जिससे लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ा। जबकि विद्युत उपकेंद्र पर बिजली आती रही। उपभोक्ता रहुला, संजय, नरेश, दीपक ने बताया कि सोमवार की शाम को बिजली पावर हाउस पर आ रही थी वहां पर कई कर्मचारी घूम रहे थे जब उनसे बिजली ठीक करने को कहा गया तो बताया कि रात के कर्मचारी नही आये है जब आएंगे तब ठीक होगी और किसी के साथ गाड़ी पर बैठकर चले गए। जब लोगो ने इसकी शिकायत जेई से की तो रात में फाल्ट ठीक कर बिजली बहाल की गई। मंगलवार को सुबह 11 बजे फिर से पेड़ो की छटाई के नाम पर विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई जो शाम तक बन्द रही। बिजली न आने से मल्लावां उपकेंद्र का क़स्बा फीडर बंद रहा क्षेत्र के करीब 21 हजार उपभोक्ता बिजली न मिलने से गर्मी व उमस से परेशान रहे। उपभोक्ताओं को करीब 8 घंटे बाद शाम ०७:०० बजे बिजली मिल सकी। जेई एहतिशाम अहमद ने बताया कि बारिश व तेज हवा के चलते फाल्टों की संख्या बढ़ जाती है। इसीलिए जहाँ-जहाँ तार पेड़ो की डालो पर रखे है उनको छटवाया जा रहा है जिससे विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से मिल सके।

गिरवीं रखी सोने की चेन वापस नहीं कर रहा सुनार

सुरसा (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। ब्लॉक मुख्यालय स्थित सदर बाजार स्थित निवासी सुनार के यहां सोना गिरवी रखना पीड़ित को महंगा पड़ गया। आरोपी सुनार ने लगभग पौने चार ग्राम सोने के आभूषण गिरवी रखकर पांच हजार रुपये दो प्रतिशत ब्याज पर फरवरी 2022 में दिए थे। लेकिन जब पीडित गिरवीं छुडाने गया तो सुनार आज कल करते हुए लगभग एक वर्ष गुजार देने के बाद भी चेन वापस नहीं कर रहा है। सुरसा थाना क्षेत्र के ग्राम पौथेपुरवा निवासी सुधीर कुमार ने स्थानीय पुलिस को तहरीर दी। बताया कि कुछ जरुरतों के चलते उसने क्षेत्र के सदर बाजार स्थित सुनार हरिनाम व शीशराम से पांच हजार रुपये उधार लिया था। गारंटी के तौर पर उसने अपनी सोने की चेन को गिरवी रखी थी। सुनार के द्वारा उसे एक रसीद दी गई और कह दिया गया कि बैंक के ब्याज के अनुसार दो प्रतिशत देना पड़ेगा। पीड़ित ने बताया कि अब वह ज्वैलर्स के पास एक साल से दौडा रहा है। परन्तु चैने वापस नहीं की गई। अधिक दबाव बनाने पर ज्वैलर्स ने पीडित को गाली गलौज कर दिया।

हरियावां क्षेत्र में चोरों का आतंक, गांव में दहशत

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरियावाँ (हरदोई)। थाना क्षेत्र के सबरदा गांव में बीती रात चोरों ने आतंक मचा दिया। यहां कीमती समान नहीं मिलने पर किया ये काम। क्षेत्र के सबरदा गांव में बीती रात चोरों ने आतंक मचा दिया। गांव के छह घरों में एक साथ सेंध लगाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया गया। चोरों ने न केवल घरों में घुसकर सामान बिखेर दियाए बल्कि एक घर में फ्रिज में रखा खोया भी खा लिया। कुछ घरों से कोई कीमती सामान नहीं मिला तो अचार और कपड़े तक फेंक दिए गए। जिले में चोरों ने जमकर आतंक मचा दिया। दरअसल, कुछ घरों से कोई कीमती सामान नहीं मिला तो अचार और कपड़े तक फेंक दिए गए मिली जानकारी के मुताबिक चोर पहले खेत में बैठकर बियर पी।

जानकारी के मुताबिक, स्थानीय निवासियों के अनुसार, घटना रात करीब 3 बजे की है। अधिकतर पीड़ित परिवार धान की रोपाई के चलते बेहद थकान में थे और गहरी नींद में सो रहे थे। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने एक-एक कर छह घरों में सेंध लगाई। ग्रामीणों का कहना है कि चोर पहले खेत में बैठकर बियर पी रहे थे, इसके बाद उन्होंने वारदात को अंजाम दिया।

ग्रामीण रात में जागकर पहरा देने को मजबूर। मिली जानकारी के मुताबिक, घटना का खुलासा तब हुआ जब सुबह एक घर में सो रही लड़की को कुछ हलचल महसूस हुई और उसने शोर मचाया। तब तक चोर भाग चुके थे। सुबह उठने पर लोगों ने घरों में बिखरा सामान देखा और दहशत फैल गई। डायल 112 पर सूचना दी गई। मौके पर थाना प्रभारी निरीक्षक हरियावा और क्षेत्राधिकारी अजीत चौहान पहुंचे और जांच.पड़ताल की। पुलिस ने आश्वासन दिया कि जल्द ही चोरों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। गांव में फिलहाल दहशत का माहौल है और ग्रामीण रात में जागकर पहरा देने को मजबूर हैं। गौरतलब है कि इस प्रकार की घटना हमारे सामने आती है। जहां ऐसे अपराधी है जो घटना को अंजाम देने से नहीं चूकते हैं। आखिर सवाल है कि इस प्रकार की घटना को अपराधी बिना भय के अंजाम दे रहें हैं।

स्कूल चलो अभियान के तहत रैली निकाल शिक्षा के प्रति किया जागरूक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न हो जाए, उसके लिए स्कूल चलो अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विकास खंड कछौना के अंतर्गत संविलियन विद्यालय टिकारी व गाजू में स्कूल चलो रैली निकाली गई। छात्र के हाथों में स्कूल चलो अभियान की लिखी पट्टिकाएं लेकर गली-गली भ्रमण किया। इस तरह की मुहिम से शिक्षा का माहौल बनता है। वर्तमान समय में परिषदीय स्कूलों का कायाकल्प हो रहा है। बुनियादी सुविधाएं पेयजल, शौचालय, पुस्तकालय, बाउंड्री वॉल, विद्युतीकरण, स्मार्ट क्लासेस, प्रशिक्षित शिक्षक, खेलकूद मैदान, बाल वाटिका, किचन गार्डन आदि सुविधाएं मुहैया है। जिससे शैक्षिक माहौल बेहतर हुआ है। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद विद्यालय खुले हैं। शिक्षकों व प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों ने छात्र-छात्राओं का जोरदार स्वागत किया। शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं को तिलक लगाकर स्वागत किया। शिक्षक गण रामचंद्र, अनिल सिंह, बिना राठौर, संजय कुमार, जैतून जिया, राकेश कुमार, मंगल सिंह, अतुल मिश्रा, सत्य प्रकाश, रेनू देवी, नीलम देवी ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

15 जुलाई तक करे आवेदनः सुष्मिता सिंह

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सुष्मिता सिंह ने बताया है कि उ0प्र0 सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री के प्राथमिकता कार्यक्रम योजना अन्तर्गत बोर्ड द्वारा जनपद को पापकार्न मेकिंग मशीन वर्ष 2025-26 हेतु 10 लाभार्थियों का चयन किये जाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिसमें जनपद के भुर्जी समाज के लोग या इस उद्योग में रूचि रखने वाले बेरोजगार युवक एवं युवतियां अपना आवेदन कर सकते है। आवेदक करने के लिए आयु 18 वर्ष 50 वर्ष एवं साक्षर होना अनिवार्य है ऑनलाइन हेतु विभागीय पोर्टल पर 15 जुलाई 2025 तक कर सकता है। आवेदन हेतु आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड, राशन कार्ड, परिवार रजिस्टर संख्या व नकल, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, दो फोटो आवश्यक है साथ ही आवेदन करने उपरान्त हार्ड कॉपी कार्यालय में जमा करना अनिवार्य है। अधिक जानकारी हेतु जिला ग्रामोद्योग कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

07 जुलाई तक करे आवेदनः सुष्मिता सिंह

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सुष्तिमा सिंह ने बताया है कि जनपद.हरदोई में शिक्षित बेरोजगार नवयुवक/नवयुवतियों को स्वावलम्बी बनाने हेतु कौशल सुधार प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से (सामान्य जाति) हेतु 25 प्रशिक्षार्थियों को मसाला निर्माण ट्रेड का एवं (एस0सी0एस0पी0) जाति हेतु 25 प्रशिक्षार्थियों को बैग निर्माण व 25 प्रशिक्षार्थियों को सॉफ्ट ट्वॉयज ट्रेड का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। उक्त प्रशिक्षण हेतु ऑनलाइन आवेदन विभागीय पोर्टल 07 जुलाई 2025 तक आंमत्रित किये जा रहे है। अतः इच्छुक प्रशिक्षार्थी/अभ्यर्थी अपना आवेदन ट्रेड वाई 07 जुलाई 2025 तक सकते है और आवेदन करने के उपरान्त 10 जुलाई 2025 तक जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, सिनेमा चौराहा लखनऊ रोड, हरदोई में हार्ड कॉपी जमा करना अनिवार्य है।

बीती रात अज्ञात चोरों ने चार घरों को बनाया निशाना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। अज्ञात चोरों ने ग्राम पंचायत क्योंटी खोजकीपुर के मजरा शेखवापुर पूर्वी के चार घरों का निशाना बनाया। जिसमें से दो घरों में चोरी कर जेवरात तथा 8 हजार रुपए की नगदी उठा ले गए।

थाना क्षेत्र के ग्राम शेखवापुर पूर्वी निवासी राजकुमार परिवार सहित दिल्ली में रहते हैं बंद मकान का ताला काटकर अज्ञात चोरों ने पायल, बिछिया, सोने की चैन, नथुनी, बाली व रूपये 7000 नगद उठा ले गए। वहीं नजदीक के मकान हीरालाल के घर से दो जोड़ी पायल, बेहसर एचांदी की अंगूठी रूपये 1000 उठा ले गए। हीरालाल मक्के की रखवाली कर रहे थे वहीं उनकी पत्नी रामकली घर के अंदर सो रही थी। चोर गांव के ही राम खेलावन व रामचंद्र उर्फ गुड्डू के घर घुसे लोगो के जाग जाने पर वह भाग गए।

नाम संशोधन हेतु सूचना

मै लालचन्द्र कनौजिया पुत्र पुत्तूलाल, पताः- मकान नं0-121 महमूदपुर धतिगड़ा थाना कासिमपुर, तहसील सण्डीला, जिला-हरदोई का निवासी हूँ। मुझे लालचन्द्र नाम से जाना जाता है जोकि अपने अभिलेखों हाईस्कूल अंकपत्र व प्रमाण-पत्र के आधार पर संशोधन कराया गया है। वर्तमान समय में आवश्यक अभिलेख आधार कार्ड, पैन कार्ड, लालचन्द्र कनौजिया है। अब इसी नाम से जाना जाये।

क्या ये हेटस्पीच नहीं है

रविवार को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ एक रैली आयोजित की गई। इमारत-ए-शरिया फुलवारी शरीफ की ओर से आयोजित इस रैली में आरजेडी, कंग्रेस और जेडीयू समेत सभी दलों के बड़े नेताओं को बुलाया गया था। इस रैली में इंडिया गठबंधन के दल शरीक हुए। जिसमें बिहार में नेता प्रतिपक्ष राजद नेता तेजस्वी यादव के भाषण की खूब चर्चा हो रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण हिंदुस्तान की सरजमीं का हर एक-एक इंच, हर पन्ना चीख-चीखकर इस बात की गवाही देता है कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में चाहे हिंदू हो या मुसलमान, सिख हो या ईसाई सब लोगों ने इस देश की आजादी के लिए कुर्बानी देने का काम किया है। ये देश किसी के बाप का देश नहीं है। ये हम सब का देश है। वक्फ संशोधन कानून लाकर किस तरह मस्जिदों, मदरसों, कब्रगाहों की जमीन को छीनने की योजना बनाई जा रही है, इसका खुलासा तेजस्वी ने किया और इसमें जमीन के बाद वोट छीनने की चालाकी के बारे में भी जनता को आगाह किया। दरअसल चुनाव आयोग की तरफ से मतदाता सूची पुनरीक्षण का जो फैसला लिया गया है, उसमें यह आशंका बढ़ रही है कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे जाएंगे। अगर चुनाव आयोग यह कदम पहले उठाता, तब बात दूसरी होती, लेकिन चुनाव से चंद महीने पहले ही उसे मतदाताओं की जांच की जरूरत क्यों पड़ी, पिछले साल चुनाव से पहले इस बारे में ध्यान क्यों नहीं दिया गया, ये सारे सवाल अब उठ रहे हैं। अवैध मतदाता, बांग्लादेशी घुसपैठिए इन शब्दों की आड़ में कहीं गरीबों, पिछड़ों के वोट का अधिकार तो नहीं छीना जा रहा है, यह सवाल भी उठ रहा है, क्योंकि अपने साथ-साथ अपने माता-पिता का जन्म प्रमाणपत्र या अन्य पहचान वाले दस्तावेज जुटाना साधारण, गरीब आदमी के लिए आसान नहीं होगा। फिर चुनाव आयोग क्यों इस मुश्किल को खड़ा कर रहा है, यह विपक्ष की बड़ी आपत्ति है। जब गांधी मैदान में वक्फ संशोधन कानून के विरोध के लिए लोग जुटे तो तेजस्वी यादव ने इस बारे में भी कहा कि आपकी जमीन को छीना जा रहा है। अब भाजपा सत्ता से जाने वाली है तो हम सब के गरीब, पिछड़ा, अति पिछड़ा और दलित सब लोगों के वोट के अधिकार को छीना जा रहा है। मतदाता सूची में संशोधन के नाम पर आपके वोट के अधिकार को छीनने का प्रयास किया जा रहा है। ये बहुत बड़ी साजिश है। इसलिए आप लोग सचेत रहियेगा और ऐसा होने मत दीजिएगा। भाजपा को उम्मीद नहीं होगी कि इस मंच का इस्तेमाल अब उसके बाकी फैसलों के विरोध के लिए भी हो सकता है। हालांकि अब तो भाजपा का जो नुकसान होना है, वो हो चुका है। अब इसकी भरपाई के लिए भाजपा ने कोशिशें शुरु कर दी हैं और इस चक्कर में फिर एक गलती कर दी है। दरअसल रविवार को तेजस्वी यादव ने बड़ा ऐलान दावा किया था कि अगर उनकी सरकार बनी तो वे इस बिल को प्रदेश में लागू नहीं होने देंगे और कूड़ेदान में फेंक देंगे। इस बात को भाजपा संविधान और संसद का अपमान बता रही है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अभी हाल ही में हमने भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे दुर्दांत काले अध्याय आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण किए, लेकिन बड़े दुख की बात है कि पटना के उसी गांधी मैदान में जहां आपातकाल के दौरान संविधान की रक्षा और संविधान के सम्मान के लिए जान की परवाह किए बिना लाखों लोग एकत्र हुए थे, वहां एक ऐसी रैली हुई, जिसमें इंडिया गठबंधन के सहयोगी बिहार के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे, जबकि यह कानून (वक्फ बोर्ड कानून) दोनों सदनों से पारित है और कोर्ट में विचाराधीन है। इसका अर्थ ये हुआ कि न संसद का सम्मान न न्यायपालिका का सम्मान।श श्री त्रिवेदी यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा कि वक्फ समाजवाद के विचार के खिलाफ है। उनका विचार संविधान को नीचा दिखाना, उसे तोड़ना है। वे गरीब मुसलमानों के साथ नहीं बल्कि उन चंद लोगों के साथ खड़े हैं जो सारी संपत्तियों पर कब्जा करना चाहते हैं। यह समाजवाद नहीं बल्कि नमाजवाद है। चूंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अक्सर ऐसे गंभीर विषयों पर चुप लगा जाते हैं, या फिर देर से बोलते हैं और अगर बोलते हैं तो उनमें ठोस तर्कों की जगह खोखली बातें ज्यादा होती हैं, इसलिए फिलहाल सुधांशु त्रिवेदी के वक्तव्य को ही पार्टी का आधिकारिक स्टैंड कहा जाएगा। वक्फ संशोधन कानून का विरोध भाजपा की निगाह में अगर संविधान, संसद, न्यायपालिका सबका अपमान है, तो फिर तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने का जो फैसला नरेन्द्र मोदी ने लिया था, क्या उसे भी भाजपा संसद का अपमान ही कहेगी, क्योंकि कृषि विधेयक भी संसद के दोनों सदनों से पारित होकर ही कानून बने थे।

इमारत-ए-शरिया फुलवारी शरीफ की ओर से आयोजित इस रैली में आरजेडी, कांग्रेस और जेडीयू समेत सभी दलों के बड़े नेताओं को बुलाया गया था। इस रैली में इंडिया गठबंधन के दल शरीक हुए। जिसमें बिहार में नेता प्रतिपक्ष राजद नेता तेजस्वी यादव के भाषण की खूब चर्चा हो रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण हिंदुस्तान की सरजमीं का हर एक-एक इंच, हर पन्ना चीख-चीखकर इस बात की गवाही देता है कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में चाहे हिंदू हो या मुसलमान, सिख हो या ईसाई सब लोगों ने इस देश की आजादी के लिए कुर्बानी देने का काम किया है।

आतंकवाद पर वैश्विक मौन अस्वीकार्य

योगेश कुमार गोयल

भारत के इस फैसले को चीन और पाकिस्तान के लिए बड़ा कूटनीतिक झटका माना जा रहा है। भारत का यह कदम एससीओ जैसे बहुपक्षीय मंचों पर दोहरे मापदंडों के खिलाफ खासकर उन देशों के लिए एक चेतावनी है, जो आतंकवाद को अपने रणनीतिक हितों के लिए एक औजार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। भारत ने साफ कर दिया कि आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति केवल शब्दों तक सीमित नहीं है बल्कि उसके व्यवहार में भी प्रतिबिंबित होती है।

चीन के किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की रक्षा मंत्रियों की बैठक इस बार भारत की आक्रामक और स्पष्ट कूटनीतिक रणनीति की स्पष्ट साक्षी बनी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने से जब यह कहते हुए इनकार कर दिया कि उसमें आतंकवाद जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे को नजरअंदाज कर दिया गया है तो यह भारत का केवल एक औपचारिक विरोध नहीं, बल्कि भारत की सुरक्षा प्राथमिकताओं और कूटनीतिक दृढ़ता का स्पष्ट संकेत था। इस विरोध के जरिये उन्होंने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि भारत अब केवल प्रतीकात्मक भाषणों और कूटनीतिक शिष्टाचारों से आगे बढ़ चुका है। भारत का संदेश दृढ़ है कि आतंकवाद को सामान्य नहीं माना जा सकता। भारत के इस फैसले को चीन और पाकिस्तान के लिए बड़ा कूटनीतिक झटका माना जा रहा है। भारत का यह कदम एससीओ जैसे बहुपक्षीय मंचों पर दोहरे मापदंडों के खिलाफ खासकर उन देशों के लिए एक चेतावनी है, जो आतंकवाद को अपने रणनीतिक हितों के लिए एक औजार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। भारत ने साफ कर दिया कि आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति केवल शब्दों तक सीमित नहीं है बल्कि उसके व्यवहार में भी प्रतिबिंबित होती है। भारत का यह कदम पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अलग-थलग करने की रणनीति का हिस्सा तो है ही, चीन को भी यह स्पष्ट संदेश है कि भारत अपने सुरक्षा हितों के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। एससीओ की बैठक में राजनाथ सिंह की टिप्पणी, ''आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है'' और ''जो देश आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं या उसे पनाह देते हैं, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए'', सीधे तौर पर पाकिस्तान की ओर संकेत था, हालांकि उन्होंने उसका नाम नहीं लिया। दक्षिण एशिया पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों के कारण ही दशकों से अस्थिरता और हिंसा से जूझ रहा है और अब भारत इस खतरे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर और मुखरता से उजागर कर रहा है। भारत की इस बार की विशेष आपत्ति पहलगाम हमले को लेकर थी। यह हमला लश्कर-ए-तैयबा की सहायक इकाई 'टीआरएफ' (द रेजिस्टेंस फ्रंट) द्वारा किया गया था, जिसमें 26 निर्दोष नागरिक मारे गए थे। भारत ने एससीओ के मसौदा दस्तावेज में इस हमले का उल्लेख नहीं किए जाने को गंभीर चूक नहीं बल्कि एक सोची-समझी रणनीति माना, जिसके पीछे पाकिस्तान को बचाने की कोशिश साफ दिखती है। भारत का यह रुख अचानक नहीं बना बल्कि यह उस दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जिसमें भारत हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहयोग की बात करता रहा है और दोहरे मानदंडों को उजागर करता रहा है। इससे पहले भी भारत ने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) में शामिल होने से इनकार कर दिया था क्योंकि उसमें चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) को शामिल किया गया था, जो भारत की संप्रभुता का उल्लंघन करता है। एससीओ की स्थापना 2001 में चीन, रूस, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और कजाखस्तान के साथ हुई थी। हालांकि इसकी जड़ें 'शंघाई फाइव' से जुड़ी हैं, जो 1996 में चीन, रूस तथा तीन मध्य एशियाई गणराज्यों द्वारा सीमा सुरक्षा विश्वास को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया एक समूह है। भारत और पाकिस्तान 2017 में इसके सदस्य बने। इस संगठन का उद्देश्य क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी अभियान, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक संवाद था परंतु बीते वर्षों में यह मंच धीरे-धीरे चीन और पाकिस्तान के राजनीतिक एजेंडे का उपकरण बनता गया है। आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दों पर इस संगठन की चुप्पी उसकी प्रासंगिकता पर प्रश्नचिह्न लगा रही है। इस बार के संयुक्त घोषणापत्र में ब्लूचिस्तान में कथित आतंकी घटनाओं का उल्लेख तो किया गया लेकिन पहलगाम जैसे जघन्य हमले को अनदेखा किया गया। भारत ने इसे पाकिस्तान के आरोपों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर वैधता देने की साजिश बताया। ब्लूचिस्तान में विद्रोही गतिविधियां वहां के लोगों की आत्मनिर्णय की मांग से जुड़ी हैं, जिन्हें पाकिस्तान भारत-प्रायोजित आतंकवाद कहकर गुमराह करने की कोशिश करता है। चीन, जो सीपीईसी के माध्यम से ब्लूचिस्तान में भारी निवेश कर रहा है, पाकिस्तान के इन दावों का समर्थन करता रहा है। यही कारण है कि भारत को इस घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने से स्पष्ट इनकार करना पड़ा। यह पहली बार नहीं है, जब भारत ने एससीओ में ऐसा सख्त रुख अपनाया हो। बिश्केक (2019) और अस्ताना (2024) में भी भारत ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि आतंकवाद पर कोई समझौता नहीं हो सकता। हालांकि उस समय भारत ने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। परंतु इस बार की परिस्थिति अलग थी। इस बार एक ऐसा हमला हुआ था, जिसमें निर्दोष नागरिकों की जान गई और उसे एससीओ की बैठक में पूरी तरह अनदेखा कर दिया गया। भारत का यह कड़ा रुख केवल एससीओ तक सीमित नहीं है। हाल ही में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी शिविरों को निशाना बनाते हुए हवाई हमले किए। भारत का यह स्पष्ट संदेश था कि अब वह आतंकवाद के केंद्रों को उनकी सीमा में घुसकर खत्म करने से भी नहीं हिचकिचाएगा। यह संदेश भी चीन और पाकिस्तान के लिए था कि भारत अब केवल शब्दों में नहीं बल्कि कार्यों में भी आक्रामक कूटनीति अपना रहा है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के रक्षामंत्री एडमिरल डोंग जून के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान भी स्पष्ट किया कि विश्वास-निर्माण तभी संभव है, जब चीन एलएसी पर अतिक्रमण की अपनी नीतियों को छोड़े और भारत की सुरक्षा चिंताओं को गंभीरता से ले। दोनों पक्षों ने सैन्य हॉटलाइन बहाल करने पर विचार किया लेकिन भारत ने यह भी जता दिया कि यह केवल दिखावटी बातचीत नहीं होनी चाहिए। भारत के इस सख्त रुख का एक और आयाम है, बिना उलझाव के संरेखण की नीति। भारत न किसी गुट का हिस्सा बनना चाहता है, न किसी के हितों का औजार। वह केवल अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर बहुपक्षीय मंचों पर भाग लेता है और किसी भी ऐसे दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं करता, जो उसकी संप्रभुता, सुरक्षा या वैचारिक सिद्धांतों से टकराव रखता हो। यह नीति भारत को एक स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और रणनीतिक रूप से परिपक्व राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करती है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत वैश्विक समर्थन जुटाने की दिशा में भी काम कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध समिति में भारत लगातार मांग करता रहा है कि लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और टीआरएफ जैसे संगठनों को ब्लैकलिस्ट किया जाए। चीन ने कई बार तकनीकी आपत्ति लगाकर इन प्रयासों को विफल किया है लेकिन भारत ने अपने प्रयासों को कभी धीमा नहीं किया। एससीओ की इस बार की बैठक का सबसे बड़ा संदेश यही है कि भारत अब 'सामूहिक सहमति' की कीमत पर अपने 'राष्ट्रीय हितों' की बलि नहीं चढ़ाएगा। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक आतंकवाद को पनाह देने वाले देशों को नाम लेकर नहीं फटकारा जाएगा, तब तक कोई संयुक्त घोषणापत्र केवल कागज का एक टुकड़ा ही रहेगा। भारत के लिए यह रुख न केवल सम्मान का विषय है बल्कि वैश्विक मंचों पर उसकी विश्वसनीयता और नेतृत्व क्षमता को भी बढ़ाता है। आज भारत को वैश्विक मंचों पर सुना जा रहा है क्योंकि वह केवल बातें नहीं करता बल्कि अपने रुख पर अडिग भी रहता है। बहरहाल, अंततः, भारत ने एससीओ के मंच से जो सख्त संदेश दिया है, वह केवल पाकिस्तान या चीन के लिए नहीं बल्कि उन सभी देशों के लिए भी है, जो आतंकवाद पर मौन साधे रहते हैं या अपने आर्थिक, कूटनीतिक हितों के कारण उसे नजरअंदाज करते हैं। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद अब केवल एक देश की समस्या नहीं है, यह वैश्विक मानवता के लिए खतरा है और इसके खिलाफ कूटनीतिक मंचों से लेकर वास्तविक जमीनी कार्रवाई तक निर्णायक लड़ाई लड़ी जानी चाहिए।

लोकतंत्र को मजबूत करने का रास्ता

प्रियंका सौरभ

भारतीय राजनीति में महिलाओं की उपस्थिति हमेशा सीमित रही है। 2024 में चुनी गई 18वीं लोकसभा में सिर्फ 74 महिलाएं चुनकर आईं, जो कुल सीटों का मात्र 13.6% हैं। यह आंकड़ा 2019 की तुलना में भी घटा है और वैश्विक औसत 26.9% से काफी पीछे है। राज्य विधानसभाओं की स्थिति और भी चिंताजनक है, जहां औसतन केवल 9% ही महिलाएं विधायक हैं। यह न केवल लैंगिक असमानता को दर्शाता है बल्कि नीति-निर्धारण की उस प्रक्रिया को भी प्रभावित करता है जिसमें आधी आबादी की हिस्सेदारी नगण्य है। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी के निम्न स्तर के कई सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारण हैं। सबसे बड़ा कारण है समाज की पितृसत्तात्मक सोच। महिलाओं को पारिवारिक भूमिकाओं तक सीमित कर दिया जाता है, जिससे नेतृत्व के अवसर स्वाभाविक रूप से पुरुषों को मिलते हैं। 'सरपंच पति' जैसी प्रथाएं इस सोच को और भी स्पष्ट करती हैं।

साल 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम (संविधान का 106वां संशोधन) देश के लोकतांत्रिक ढांचे में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने का ऐतिहासिक प्रयास है। यह अधिनियम लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसद आरक्षण सुनिश्चित करता है। इसकी सफलता महज संविधान में दर्ज होने से नहीं होगी। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति जरूरी होगी। वर्ष 2029 के आम चुनाव में यदि यह आरक्षण प्रभावी होता है, तो यह न केवल भारत के लोकतंत्र के लिए निर्णायक मोड़ होगा, बल्कि महिलाओं के नेतृत्व की दिशा भी तय करेगा। इसके लिए राजनीतिक दलों को अभी से व्यापक और दूरदर्शी कदम उठाने होंगे। भारतीय राजनीति में महिलाओं की उपस्थिति हमेशा सीमित रही है। 2024 में चुनी गई 18वीं लोकसभा में सिर्फ 74 महिलाएं चुनकर आईं, जो कुल सीटों का मात्र 13.6% हैं। यह आंकड़ा 2019 की तुलना में भी घटा है और वैश्विक औसत 26.9% से काफी पीछे है। राज्य विधानसभाओं की स्थिति और भी चिंताजनक है, जहां औसतन केवल 9% ही महिलाएं विधायक हैं। यह न केवल लैंगिक असमानता को दर्शाता है बल्कि नीति-निर्धारण की उस प्रक्रिया को भी प्रभावित करता है जिसमें आधी आबादी की हिस्सेदारी नगण्य है। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी के निम्न स्तर के कई सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारण हैं। सबसे बड़ा कारण है समाज की पितृसत्तात्मक सोच। महिलाओं को पारिवारिक भूमिकाओं तक सीमित कर दिया जाता है, जिससे नेतृत्व के अवसर स्वाभाविक रूप से पुरुषों को मिलते हैं। 'सरपंच पति' जैसी प्रथाएं इस सोच को और भी स्पष्ट करती हैं। राजनीतिक दलों के भीतर भी यह धारणा प्रचलित है कि महिलाएं चुनाव जीतने की दृष्टि से कमजोर प्रत्याशी होती हैं। लेकिन यह एक मिथक है, जिसे हाल के आंकड़े खारिज करते हैं। उदाहरण के लिए, 2024 लोकसभा चुनाव में महिलाएं केवल 9.6% उम्मीदवार थीं, लेकिन उनकी सफलता दर पुरुषों से अधिक थी ऽ उन्होंने 13.6% सीटें जीतीं। महिलाओं के सामने आर्थिक संसाधनों की कमी भी एक बड़ी बाधा है। देश में चुनाव लड़ना अत्यंत महंगा है और अधिकांश महिलाएं-खासकर ग्रामीण व पिछड़े वर्गों से-स्वतंत्र रूप से इतने संसाधन नहीं जुटा सकतीं। इसके अलावा, राजनीति का वातावरण भी महिलाओं के लिए असुरक्षित और शत्रुतापूर्ण रहता है। उन्हें ट्रोलिंग, चरित्र हनन, और मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है, जिससे उनका आत्मविश्वास डगमगाता है। राजनीतिक दलों में महिलाओं के लिए मार्गदर्शन, प्रशिक्षित नेतृत्व विकास, और निर्णय लेने वाली इकाइयों में शामिल करने जैसी संस्थागत व्यवस्था भी अकसर अनुपस्थित रहती है। महिला मोर्चा बनाकर उन्हें पार्टी के मुख्य ढांचे से अलग कर दिया जाता है, जिससे वे सत्ता के निर्णायक केंद्रों से दूर रह जाती हैं। 2029 के आरक्षण को सार्थक बनाने के लिए राजनीतिक दलों को अब से ही तैयारी करनी होगी। सबसे पहला कदम है-स्वैच्छिक आंतरिक कोटा। टिकट वितरण में 33% महिला उम्मीदवारों को प्राथमिकता देना केवल आरक्षण की तैयारी नहीं, बल्कि समावेशी लोकतंत्र की दिशा में पहल होगी। ऑस्ट्रेलिया की लेबर पार्टी जैसी मिसालें बताती हैं कि आंतरिक कोटा राजनीति की संस्कृति को सकारात्मक रूप से बदल सकते हैं। दूसरा आवश्यक कदम है-वित्तीय सहायता और संरचित प्रशिक्षण। राजनीतिक दलों को महिला उम्मीदवारों के लिए अलग चुनावी फंड बनाना चाहिए ताकि वे चुनावी खर्च का बोझ उठा सकें। कनाडा का जूडी लामार्श फंड इसका अच्छा उदाहरण है। साथ ही, पंचायतों और नगरपालिकाओं में सक्रिय महिला प्रतिनिधियों को विधानसभा और संसद स्तर के लिए तैयार करने का नेतृत्व कार्यक्रम भी चलाया जाना चाहिए। महिलाओं को पार्टी की कोर कमेटियों, नीति निर्माण इकाइयों और प्रवक्ता मंडल में भी सक्रिय भूमिका देनी चाहिए। केवल महिला मोर्चा या सांस्कृतिक आयोजनों तक सीमित रखकर नेतृत्व नहीं उभरेगा। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग पार्टी ने हाल ही में कोर नेतृत्व में महिलाओं को शामिल किया है।अन्य दलों को भी यही दिशा लेनी चाहिए। मेंटोरशिप भी एक सशक्त उपकरण हो सकता है। अनुभवी महिला नेता अगर नवोदित उम्मीदवारों को मार्गदर्शन दें, तो आत्मविश्वास, नीति की समझ, और रणनीतिक कौशल विकसित हो सकता है। इसके साथ ही, पार्टी के भीतर महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न या असम्मानजनक व्यवहार को रोकने के लिए सख्त आचार संहिता और त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था जरूरी है। राजनीतिक दलों के प्रयासों के साथ-साथ मीडिया और नागरिक समाज की भी भूमिका अहम है। मीडिया को महिला नेताओं की नीतिगत भूमिका, वैचारिक दृष्टिकोण और सामाजिक योगदान पर केंद्रित करना चाहिए-ना कि उनके पहनावे, निजी जीवन या विवादों पर। नागरिक संगठनों को भी प्रशिक्षण, जनजागरण और महिला नेतृत्व को प्रोत्साहित करने की दिशा में पहल करनी चाहिए। महिलाओं का राजनीति में प्रतिनिधित्व केवल लैंगिक समानता का सवाल नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी मापदंड है। यदि प्रतिनिधित्व का आधार केवल पुरुषों की पहुंच और दबदबे तक सीमित रहेगा, तो लोकतंत्र का स्वरूप अधूरा ही रहेगा। महिला आरक्षण केवल एक नीति नहीं, बल्कि नेतृत्व को समावेशी, संवेदनशील और संतुलित बनाने का औजार है। 2029 का चुनाव भारत के लिए एक ऐतिहासिक अवसर लेकर आएगा। अगर राजनीतिक दल अभी से महिला नेतृत्व को गढ़ने में निवेश नहीं करते-तो यह आरक्षण भी केवल सत्ता में वंशवाद और प्रतीकात्मकता का विस्तार बनकर रह जाएगा। अब वक्त है कि दल ''औरतों के लिए सीट छोड़ने'' की बात नहीं करें, बल्कि ''औरतों को नेतृत्व के लिए खड़ा करने'' की पहल करें। लोकतंत्र को मजबूत बनाने का यही असली रास्ता है।

हिन्दी को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनायें

ललित गर्ग

भारत विविधताओं का देश है, यहां भाषाएं न केवल संवाद का माध्यम हैं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी हैं। परंतु जब भाषाएं टकराव का विषय बन जाएं, तो वह केवल भाषाई संकट नहीं रह जाता, बल्कि एक सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दा बन जाता है। ऐसा ही कुछ महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है, जहां हिंदी भाषा को लेकर एक अनकहा-अनचाहा-सा संघर्ष चल रहा है। महाराष्ट्र में मराठी भाषा केवल एक भाषा नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता का प्रतीक है। कई मराठी संगठनों और राजनीतिक दलों का यह मानना है कि हिंदी भाषा का बढ़ता वर्चस्व मराठी संस्कृति के लिए खतरा बन सकता है।

दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों में हिन्दी विरोध की राजनीति अब महाराष्ट्र में भी उग्र से उग्रत्तर हो गयी, इसी के कारण त्रिभाषा नीति को महाराष्ट्र में लगा झटका दुखद और अफसोसजनक है। आखिरकार राजनीतिक दबाव, लंबी रस्साकशी और कशमकश के बाद महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई से जुड़े मुद्दे पर यू-टर्न लेते हुए अपने कदम पीछे खींच लिए। विदित हो कि केंद्र सरकार की नीति के तहत महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाना था। राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते अब ऐसा नहीं हो पाएगा। मतलब, महाराष्ट्र को तीसरी भाषा के रूप में भी हिंदी मंजूर नहीं है। महाराष्ट्र में हिंदी का संकट वास्तव में एक गहरे सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है। यह केवल भाषाई नहीं, बल्कि अस्मिता, पहचान और सह-अस्तित्व से जुड़ा हुआ है। जबकि भाषा को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनाना चाहिए। क्योंकि जब मराठी और हिंदी एक-दूसरे की सहयोगी बनेंगी, तभी महाराष्ट्र और भारत दोनों का भविष्य उज्ज्वल होगा और तभी महाराष्ट्र राष्ट्रीयता से जुड़ते हुए समग्र विकास की ओर अग्रसर हो सकेगा। हिन्दी को हथियार बनाकर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी समर्थक राजनीति को इस तरह से गरमा दिया था कि सरकारी प्रयासों के हाथ-पांव फूलने लगे और अपने फैसलों पर पुनर्विचार करना पड़ा। ठाकरे बंधुओं का हिन्दी विरोधी आंदोलन दिनोंदिन उग्र होता जा रहा था। यह सच है, हर राज्य के लिए भाषा की राजनीति मायने रखती है और कोई भी पार्टी स्थानीय स्तर पर अपनी क्षेत्रीय भाषा से मुंह नहीं मोड़ सकती। यह सर्वविदित है कि महाराष्ट्र में पूर्व में एक समिति ने जब हिंदी पढ़ाने की सिफारिश की थी, तब उद्धव ठाकरे ही राज्य के मुख्यमंत्री थे। तब हिंदी का मामला बड़ा नहीं था, पर आज जब ठाकरे विपक्ष में हैं, तब यही मुद्दा सबसे अहम हो गया है। शायद यह शर्म की बात है कि जिस राज्य की राजधानी में पूरा हिंदी फिल्म उद्योग बसता है, समूचे देश की आर्थिक राजधानी होने का गौरव जिसे मिला हुआ है, जहां समूचे देश के लोगों बसे है, जिसे सांझा-संस्कृति का गौरव प्राप्त है, उस राज्य की राजनीति अब हिंदी से परहेज करती दिख रही है। आज उद्धव ठाकरे बोल रहे हैं कि देवेंद्र फडणवीस सरकार मराठी मानुष की शक्ति से हार गई, पर वे इस बात को छिपा रहे हैं कि हारी सरकार नहीं, बल्कि राष्ट्र-भाषा हिंदी हारी है, जिसने मुंबई को सपनों का शहर बनाए रखा है। भारत विविधताओं का देश है, यहां भाषाएं न केवल संवाद का माध्यम हैं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी हैं। परंतु जब भाषाएं टकराव का विषय बन जाएं, तो वह केवल भाषाई संकट नहीं रह जाता, बल्कि एक सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दा बन जाता है। ऐसा ही कुछ महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है, जहां हिंदी भाषा को लेकर एक अनकहा-अनचाहा-सा संघर्ष चल रहा है। महाराष्ट्र में मराठी भाषा केवल एक भाषा नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता का प्रतीक है। कई मराठी संगठनों और राजनीतिक दलों का यह मानना है कि हिंदी भाषा का बढ़ता वर्चस्व मराठी संस्कृति के लिए खतरा बन सकता है। फडणवीस सरकार की ताजा घोषणा यह दर्शा रही है कि हिंदी का मुद्दा राज्य में विपक्षी दलों के हाथों का एक ताकतवर राजनीतिक हथियार बनता जा रहा था। न केवल विपक्ष के सभी दल इस मसले पर एकजुट और विधानसभा के मॉनसून सत्र को हंगामेदार बनाने पर आमादा थे, बल्कि ठाकरे बंधुओं को भी हिंदी विरोध की राजनीति की अपनी जानी-पहचानी जमीन वापस मिलती दिख रही थी। क्योंकि शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के शुरुआती दौर में पार्टी खास तौर पर हिंदीभाषियों के विरोध के लिए जानी जाती थी। मुंबई और महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों की निरंतर बढ़ती आबादी को शिवसेना मराठी अस्मिता के लिए खतरे के रूप में देखती थी। हालांकि बाद के दौर में, खासकर नब्बे के दशक से भाजपा के गठबंधन में शिवसेना की राजनीति भी हिंदी से हिंदू की ओर मुड़ती गई। ऐसे में निश्चित ही मराठा राजनीति से हिन्दी विरोध की उम्मीद नहीं थी। अब तक तमिलनाडु को ही हिंदी विरोध के लिए जाना जाता था, पर इधर तीखे हिंदी विरोध में कर्नाटक के साथ ही, महाराष्ट्र भी शामिल हो गया है। दुनिया की सर्वाधिक तीसरी बोली जाने वाली हिन्दी भाषा अपने ही देश में उपेक्षा एवं राजनीति की शिकार है। अब केन्द्र सरकार के साथ-साथ हिंदी समाज को ज्यादा सजग होना पड़ेगा। हिन्दी भाषी प्रांतों को अपनी राजनीतिक व आर्थिक शक्ति को इतना बल देना पड़ेगा कि कम से कम तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को अहिंदीभाषी राज्यों में स्वीकार किया जाए। क्या हिंदी प्रदेश के नेता इससे सबक लेंगे? हालांकि, जिस तरह की त्रासद भाषा-राजनीति महाराष्ट्र में हो रही है, उससे यही लगता है कि इसके लिये बनी समितियों में बैठने वाले विशेषज्ञों की राय को किनारे कर दिया जाएग और राष्ट्रीयता पर क्षेत्रीयता की जीत हासिल हो जाएगी। महाराष्ट्र में बढ़ते हिन्दीभाषियों के अनुपात को देखते हुए देर-सबेर हिन्दी को अपनाना ही लोकतांत्रिक दृष्टिकोण है। चाहे मुंबई हो या महाराष्ट्र, कुल आबादी में हिंदीभाषियों का बढ़ता अनुपात हिन्दी के पक्ष में है। 2001 की जनगणना के मुताबिक हिंदीभाषियों की संख्या मुंबई में 25.9 प्रतिशत और मराठीभाषियों की 42.9 प्रतिशत थी जो 2011 में क्रमशः 30.2 प्रतिशत और 41 प्रतिशत हो गई। महाराष्ट्र में इसी अवधि में जहां मराठीभाषी आबादी 76 प्रतिशत से 73.4 प्रतिशत पर आ गई, वहीं हिंदीभाषियों का अनुपात 7.3 प्रतिशत से बढ़कर 9.5 प्रतिशत हो गया। इसीलिये हिंदी लादने के इस फैसले ने न केवल उद्धव और राज ठाकरे को आक्रामक रूप में सामने ले आई बल्कि 20 साल बाद उद्धव और राज ठाकरे के एक मंच पर आने की खबर ने महाराष्ट्र की सियासत में हलचल मचा दी। 5 जुलाई को होने वाली हिन्दी विजय रैली पर महाराष्ट्र के लोगों की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि मराठी भाषा और संस्कृति के मुद्दे पर सुर में सुर मिलाने वाले उद्धव और राज ठाकरे को सियासी हौसला मिल गया है। जिसे महाराष्ट्र की सियासत में एक नया मोड़ माना जा रहा, लेकिन साथ ही सवाल है कि उद्धव और राज ठाकरे की सियासी केमिस्ट्री कब तक बरकरार रहेगी। हिंदी बनाम मराठी विवाद को कई बार राजनीतिक रंग भी दिया गया है। कुछ स्थानीय दलों ने हिंदी भाषी प्रवासियों, विशेषकर उत्तर प्रदेश और बिहार से आए लोगों को निशाने पर लेकर हिंदी भाषा पर परोक्ष रूप से प्रहार किया है। इससे न केवल भाषा के नाम पर लोगों में दूरी बढ़ी है, बल्कि महाराष्ट्र की समावेशी छवि को भी आघात पहुंचा है। महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों, विशेषकर मुंबई, ठाणे, पुणे, और नासिक में बड़ी संख्या में हिंदीभाषी समुदाय निवास करता है। ये लोग महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था, व्यापार, निर्माण और सेवा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परंतु जब इनकी भाषा को दोयम दर्जे का माना जाता है, या उनके साथ भेदभाव किया जाता है, तो यह संविधान की आत्मा 'एकता में अनेकता' के विपरीत है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में हिंदी और मराठी दोनों को मान्यता प्राप्त है। हिंदी भारत की राजभाषा है और मराठी महाराष्ट्र की राजभाषा। किसी भी राज्य में भाषा का सम्मान होना चाहिए, लेकिन इसके नाम पर दूसरी भाषाओं को अपमानित करना न तो संवैधानिक है और न ही नैतिक। भाषायी सह-अस्तित्व के लिये महाराष्ट्र में मराठी को सर्वोच्च स्थान मिले, लेकिन हिंदी भाषा को भी सम्मान मिले, यह संतुलन ही स्वस्थ लोकतंत्र का आधार है। स्कूलों में मराठी, हिंदी और अंग्रेजी- तीनों भाषाओं को समुचित महत्व देकर बच्चों में बहुभाषिक दृष्टिकोण विकसित किया जा सकता है। विभिन्न राजनीतिक दल भाजपा एवं केन्द्र सरकार को घेरने के लिये जिस तरह भाषा, धर्म एवं जातियता को लेकर आक्रामक रवैया अपनाते हुए देश में अशांति, अराजकता एवं नफरत को फैला रहे रहे हैं, यह चिन्ताजनक है। महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद हिन्दी को उसका उचित स्थान न मिलना विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण है।

डिजिटल अरेस्ट कर एक करोड़ ठगे, सात गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर के रामचंद्र मिशन क्षेत्र में साइबर अपराधियों ने एक युवक को डिजिटल अरेस्ट कर एक करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी की। पुलिस ने इस मामले में सात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बुधवार को बताया कि थाना रामचंद्र मिशन क्षेत्र निवासी शरदचंद्र ने साइबर थाने पर चार जून को खुद के साथ ठगी की सूचना दी थी। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा बी 318(4), 319(2), बी 204 ,66सी,66डी सूचना प्रोद्यौगिकी (संशोधन) अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया था।

ठगों ने खुद को सीबीआई, ईडी और न्यायालय के अधिकारी बताकर वीडियो कॉल के जरिए पीड़ित को डिजिटल अरेस्ट कर लिया। इसके बाद उन्हें धमका कर जमानत और आरोपों से बरी करने के नाम पर एक करोड़ चार लाख रूपये कई किस्तों में जमा कराए गए थे।

उन्होंने बताया कि डिजिटल अरेस्ट टीम वीडियो कॉल पर नकली एजेंसी के अधिकारी बनकर लोगों को डराती थी जबकि फिनटेक फ्रॉड टीम ठगे गए पैसे को अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर क्रिप्टो वॉलेट में बदल देती थी।इस गिरोह ने 40 से अधिक खातों में नौ लेयर में पैसे घुमाए और एक दिन में ही हैदराबाद के एक कॉर्पोरेट अकाउंट से करीब 03 करोड़ रुपये का लेनदेन किया गया। द्विवेदी ने बताया कि पुलिस टीम ने इस मामले में सचिन , अहरिवार,प्रशांत कटरा, गौतम सिंह संदीप पुंडीर,सैय्यद सैफ,आर्यन शर्मा और पवन यादव को अलग अलग जिलों से गिरफ्तार किया है।जिनके पास से 09 मोबाइल फ़ोन, 07 एटीएम कार्ड, 01 पासबुक बरामद हुई है। सभी अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया है।

प्रेम प्रसंग में किशोरी ने प्रेमी के घर फांसी लगा की खुदकुशी

बांदा। प्रेम प्रसंग के चलते किशोरी ने प्रेमी के घर पर रस्सी और दुपटटा से फांसी लगाकर खुद्कुशी कर लिया। पड़ोसियो ने देखा तो परिजनो को जानकारी दी। मौत की खबर मिलते ही घरवालो में कोहराम मच गया। मृतका के परिनजो ने प्रेमी के घरवालो पर हत्या का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दो डॉक्टरो के पैनल ने वीडियो ग्राफी के साथ शव का पोस्टमार्टम किया। दुष्कर्म की आशंका पर स्लाइड बनाई गाई है। जानकारी के अनुसार गिरवां थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी अपने परिवार के साथ सो रही थी। रात को परिजनो के सो जाने के बाद वह पड़ोसी प्रेमी के घर पहुंच गई। रात को उसने प्रेमी के घर पर दुपटटा और रस्सी से पंखा के हुक पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। सुबह जब प्रेमी के घरवालो की नीद खुली तो उसका शव फंदे पर लटकता देखा शोर गुलसुनकर आस पास के लोग मौके पर पहुंच गए। मामले की जानकारी किशोरी के परिजनो को दी गई।

स्नान घाटों पर स्नानार्थियों की सुविधा के लिए तैयार हो प्रस्ताव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। कलेक्ट्रेट स्थित उदयन सभागार में बुधवार को जिला स्वच्छता समिति, जिला पर्यावरण समिति, जिला गंगा समिति व जिला गंगा एक्शन प्लान की बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद के सम्बंधित अधिकारियों को सभी स्नान घाटों पर पक्के घाट, टॉयलेट एवं चेंजिंग रूम आदि सुविधाओं को विकसित किये जाने के लिए प्रस्ताव तैयार कर उपलब्ध कराने के निर्देश दिया। इस दौरान कुबरी घाट में गंगा में मिल रहे नालों की टैगिंग के लिए बायो रिमेडियेशन के माध्यम से शोधन कार्य की प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए अधिशासी अधिकारी दारानगर-कड़ाधाम को कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने श्रावण मास के दृष्टिगत अधिशासी अधिकारी दारानगर को गंगा घाटों की सफाई के साथ ही अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी विशेष ध्यान देते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने तथा सफाई कार्य का रोस्टर उपलब्ध कराने के निर्देश दिये तथा गंगा को स्वच्छ बनाए रखने के दृष्टिगत आमजन को भी जागरूक करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को सीएम फ़ेलो के माध्यम से जनपद के सभी 14 स्नान घाटों पर श्रद्धालुओं की सुगमता के दृष्टिगत पक्के घाट, टॉयलेट व चेंजिंग रूम आदि सुविधाओं को विकसित किये जाने के लिए प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र उपलब्ध कराने को भी कहा जिससे शासन को प्रस्ताव भेजा जा सके।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी सुखराज बंधु व प्रभागीय वनाधिकारी आर0एस0 यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

फोटोग्राफी से संबंधित लाइव डेमो, मॉडल वर्कशाप का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। फोटोग्राफर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में फोटोग्राफर एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश बांदा इकाई के सौजन्य से अवस्थी पार्क में फोटो और वीडियोग्राफी विधा से जुड़ा हुआ वर्कशाप का आयोजन किया गया

जिसमें बांदा के बहुत ही वरिष्ठ, योग्य एवं अनुभवी फोटोग्राफर एवं मेंटर रमेश चंद्र चौरसिया आदि की उपस्थिति में अपने साथियों के साथ अपने अपने कैमरों सहित लाइव डेमो,वेडिंग फोटोग्राफी कैंडिडेट शूट , प्री वैडिंग शूट आदि को किस प्रकार शूट किया जाता है इन सब के बारे में फोटोग्राफरों को तकनीकी एक्सपर्ट के द्वारा कैमरों के साथ जानकारी दी गई सभी फोटोग्राफरों ने अपने इंस्ट्रूमेंट के माध्यम से फोटो एवं वीडियोग्राफी कर जहां भी उनका कलर कलेक्शन,स्पीड, अपर्चर में समस्या उत्पन्न हुई उनको जानकारी दी गई ताकि हुए अपने फोटोग्राफी के द्वारा अच्छे से अच्छा विजुअल निकाल कर अपने बिजनेस अपने कार्य को आगे बढ़ाएं। लो लाइट,ओवर लाइट की कमियों के बारे में कैमरों में मौजूद सेटिंग्स के बारे में अवगत कराया गया ताकि उन्हें कार्य करते समय किसी भी प्रकार के परेशानी का सामना न करना पड़े। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष/मंडल प्रभारी सुनील सक्सेना ने बताया कि यह कार्यक्रम हर माह की 15 एवं 30 तारीख को करने का नियम बनाया गया है प्रत्येक माह निः शुल्क दो दिवसीय फोटोग्राफी सीखने की कला का आयोजन किया जाएगा जो भी फोटोग्राफर साथी इस वर्कशॉप में जुड़ना चाहते हो वह निःशुल्क ग्रुपों में,मोबाइल नंबरों पर वेबसाइट पर संगठन के व्हाट्सएप ग्रुप में अपना नंबर डालकर संपर्क कर सकते हैं। इस मौके पर राजा अजहर,फरहान खान,महेश गुप्ता ब्यूटीशियन निकिता आहूजा,मॉडल पल्लवी ठाकुर,पुष्पेन्द्र गुप्ता,आदित्य ,सतीश आदि सम्मानित फोटोग्राफर उपस्थित रहे।

इमामबाडों में रखी ढाल सवारियां, ताजियों का हुआ मिलाप

बांदा। हजरत इमाम हुसैन की याद में मनाए जाने वाले दस दिवसीय मोहर्रम में पांचवी को मंगलवार की रात ढाल सवारियां ईमामबाडों में सज गई ! उधर छठवीं मोहर्रम को दोपहर में कोतवाली के सामने चार ताजियों का मिलाप हुआ ! मंगलवार की देर शाम शहर के अलग-अलग स्थान पर तैयार की गई ढाल सवारियां मातमी धुन के साथ मनोरीगंज में इकट्ठा हुई ! यहां से देर रात अपने-अपने ईमामबाडों लेजाकर में रखी गई ! बुधवार छठवी मोहर्रम को कोतवाली के सामने कुदउआ जनाना और सब्जी फरोश व ढपालियों और मनिहारों के ताजिए इकट्ठा हुए ! अपने परंपरागत रास्तों और मातमी धुन के साथ यहां पहुंचे ताजियों का मिलाप हुआ और वापस अपने-अपने इमामबाडो में रखे गए ! आयोजनों के दौरान कोतवाली पुलिस बल मौजूद रहा। कमेटी अध्यक्ष शोएब नियाजी, अरशद निजामी, राशिद आतिशबाज, आसिफ अली, हाजी मलिक नियाजी, निहाल अहमद समेत बड़ी संख्या में कमेटी के लोग शामिल है।

ऊबड़-खाबड़ सड़क पर कांवरियों को होगी परेशानी

- उत्तर प्रदेश की प्रख्यात कांवर यात्रा में व्यवधान डालेंगी टूटी फूटी पुलिया
- पिपरौला से जलालाबाद तक बेहद कठिनाई भरा होगा कांवरियों का सफर
- लाखों की संख्या में वाहनों से करोड़ों श्रद्धालु जाते हैं कांवर लेकर शिव नगरी गोला।

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के सुविख्यात कांवर यात्रा इस बार ग्यारह जुलाई से प्रारम्भ हो रही है।सावन के पवित्र माह में करोड़ों श्रद्धालु कांवर में पवित्र जल भरकर घटियाघाट स्थित पतित पावनी गंगा नदी से जल लेकर शिव धाम गोला लखीमपुर जल अर्पित करने जाते हैं।हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पिछले वर्ष की तुलना मे अधिक श्रद्धालुओं के कांवर यात्रा में जाने की संभावना जताई जा रही है।हालांकि शासन प्रशासन कांवर यात्रा को बिना किसी व्यवधान के आयोजित करवाने के लिए सभी व्यवस्थाओं को चाक चौबंद करने में जुटी हुई है।लेकिन बरेली मोड़ से जलालाबाद तक बन रहे फोरलेन सड़क मार्ग पर जगह जगह बड़े बड़े गड्ढे, निर्माणाधीन पुलिया कांवर यात्रा में व्यवधान डाल सकती हैं।

मालूम हो कि फरुखाबाद स्थित पतित पावनी गंगा नदी से करोड़ों श्रद्धालु कांवर में जल भरकर लखीमपुर जनपद के गोला गोकर्णनाथ स्थित प्राचीन शिव मंदिर में जलाभिषेक करने प्रतिवर्ष जाते हैं।इस यात्रा में शाहजहांपुर जनपद का लगभग पैंसठ किलोमीटर क्षेत्र शाहजहांपुर में आता है।इसमें बरेली मोड़ से जलालाबाद तक सड़क का चौड़ीकरण कार्य लम्बित है।जिसमें गुराई नाले की पुलिया, पिपरौला चौकी अंतर्गत पुलिया, जश्नपुर गांव के पास पुलिया का निर्माण कार्य चल रहा है। वैकल्पिक व्यवस्था के तहत निर्माणाधीन पुलिया के पास वाहनों के आवागमन हेतु व्यवस्था की गई है। लेकिन वाहनों के अत्यधिक आवागमन की वजह से इन स्थानों पर हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है।दिन में कई बार वाहनों की लंबी कतारें लगी रहती हैं इसके साथ ही पिपरौला गांव,जमौर छेत्र में,कांट, जराबन, बालीपुर छेत्र में सड़कों पर बड़े बड़े गड्ढे बने हुए हैं।जहां पर वाहनों का निकलना काफी मुश्किल होता है।ऐसी परिस्थिति में कांवर यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को बड़ी मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

हालांकि जिलाधिकारी महोदय ने दस जुलाई से पहले क्षतिग्रस्त सड़क को ठीक कराने और पुलियों के निर्माण कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश जारी किए हैं। कांवर यात्रा को लेकर प्रशासन की महत्वपूर्ण बैठकों का दौर जारी है।रविवार से लेकर मंगलवार तक तीन बड़ी मीटिंग हो चुकी हैं जिसमें जिलाधिकारी महोदय ने जनपद के सभी अधिकारियों को उनके कार्यक्षेत्र अनुसार जिम्मेदारी सौंप दी है।डीएम ने निर्देश दिए हैं कि कांवर यात्रा के दौरान किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

पीड़िता ने पुलिस से लगाई न्याय की गुहार

शुक्लागंज(उन्नाव)। मोहल्ले की रहने वाली पीड़िता ने पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में बताया कि 27 जून को वह गली से गुजर रही थी, तभी गरफू, गहेशर, आसना और फरहान नाम के कुछ लोग बेवजह उसे गाली-गलौज करने लगे। जब युवती ने इस बात का विरोध किया, तो आरोप है कि सभी आरोपियों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की और छेड़खानी करते हुए गलत हरकतें भी कीं। इस घटना से आहत युवती ने तुरंत पुलिस से संपर्क किया और अपनी आपबीती सुनाई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़िता की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। अब पुलिस इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की तैयारी में है।

5 जुलाई तक दिन में बाधित रहेगी बिजली

पुरवा(उन्नाव)। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन उच्च प्रबंधन द्वारा 1 जुलाई से 5 जुलाई तक की अवधि को अनुरक्षण अवधि घोषित किए जाने के कारण विद्युत वितरण खण्ड पुरवा दिन में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। उक्त जानकारी अधिशाषी अभियंता ने दी है। 33 केवी विद्युत लाइनों, 33 केवी स्विच यार्ड, पावर परिवर्तकों, 11 केवी कंट्रोल रूम में स्थापित सभी विद्युत उपकरणों आदि की साफ-सफाई तथा विद्युत तंत्रों के अनुरक्षण एवं विद्युत लाइनों पर आ रही पेड़ शाखाओं की कटान का कार्य पुरवा के सभी 16 उपकेंद्रों पर एक जुलाई से पांच जुलाई के मध्य कराया जाएगा जिसके कारण दिन में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी जबकि रात में पर्याप्त आपूर्ति दी जाएगी। उक्त जानकारी अवर अभियंता संतोष कुमार व एसडीओ अनिल वर्मा ने दी है।

प्राइवेट कर्मी किसी भी पटल में न करे कार्य : एसडीएम

पुरवा(उन्नाव)। तहसील में पूर्व में कार्यरत प्राइवेट कर्मियों/आपरेटरों के द्वारा किसी भी पटल पर कार्य न लेने के सख्त निर्देश एसडीएम ने दिए हैं। मंगलवार को तहसील के सभी कर्मचारियों व अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उपजिलाधिकारी प्रमेश श्रीवास्तव ने कहा कि किसी भी पटल पर कोई भी कार्य प्राइवेट कर्मी से न कराया जाए। उन्होंने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि अगर किसी भी पटल की शिकायत मिली तो पटल सहायक का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए सख्त कार्यवाही की जाएगी। एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव ने हमारे संवाददाता को बताया कि पहले भी ऐसे प्राइवेट कर्मियों को हटाया गया था। लेकिन शिकायत मिली थी कि कुछ पटल सहायक पुनः प्राइवेट कर्मी से काम ले रहे हैं। इसी कड़ी में आज सख्त निर्देश दिए गये हैं।

ससुराली जनो पर प्रताड़ित करने का आरोप

बांगरमऊ(उन्नाव)। दहेज प्रताड़ना से परेशान होकर एक विवाहिता ने पति समेत ससुरालीजनों के कई लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर कार्रवाई में जुटी है। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव नेवल निवासी पारुल पुत्री अर्जुन ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उसके पिता ने करीब साढ़े आठ लाख रुपए खर्च कर उसका विवाह क्षेत्र के ही गांव दरियापुर निवासी विकास पुत्र प्रभु दयाल के साथ किया था। किंतु दहेज लोभी ससुरालियों द्वारा लगातार दहेज में 2 तोला सोना व कार की मांग करते हुए प्रताड़ित किया जाता रहा है। इस प्रकरण के प्रति कई बार रिश्तेदारों व ग्राम प्रधान के बीच समझौता का प्रयास किया गया। किंतु वह लोग नहीं माने तथा एक विधायक का करीबी होने का दावा कर गाली गलौज व मारपीट की गई। पीड़ित की तहरीर पर बांगरमऊ पुलिस ने पति सास, ससुर आदि सहित अन्य ससुरालियों पर रिपोर्ट दर्ज कार्य जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

चौकी से महज 500 मीटर दूर पंचर की दुकान में चोरी, हजारों का माल पार

बांगरमऊ (उन्नाव)। कस्बा गंजमुरादाबाद में हरदोई-उन्नाव मुख्य मार्ग किनारे स्थित एक पंचर की दुकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाकर हजारों रुपये का सामान चुरा लिया। वारदात गंजमुरादाबाद चौकी से महज 500 मीटर की दूरी पर हुई, जिससे लोगों में पुलिस गश्त को लेकर सवाल उठ रहे हैं। मोहल्ला कसैटा निवासी मोहम्मद असलम पुत्र सफीजान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी पंचर की दुकान मुख्य सड़क किनारे स्थित है। रोज की तरह 1 जुलाई की रात वह दुकान बंद कर घर चला गया था।

साइबर ठगी में गई 50 हजार की रकम पुलिस ने कराई वापस

- सदर कोतवाली पुलिस की तत्परता से पीड़ित को मिली राहत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। ऑनलाइन फ्रॉड के बढ़ते मामलों के बीच पुलिस ने एक बार फिर त्वरित कार्रवाई कर पीड़ित को बड़ी राहत दी है। साइबर ठगों द्वारा खाते से निकाली गई ?50 हजार की रकम सदर कोतवाली पुलिस ने सफलतापूर्वक रिफंड कराई है। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की यह एक अहम सफलता मानी जा रही है।

अकरमपुर निवासी मोहम्मद सैफ पुत्र शकील अहमद ने 14 मई को साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी कि किसी ने ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए उनके खाते से ?50,000 की धोखाधड़ी कर निकासी कर ली है। शिकायत मिलते ही कोतवाली पुलिस की टीम सक्रिय हो गई और जांच शुरू की।

कोतवाली टीम ने तकनीकी जांच कर संबंधित बैंक और प्लेटफॉर्म से समन्वय स्थापित किया। त्वरित प्रयासों के चलते पचास हजार की संपूर्ण धनराशि पीड़ित के खाते में वापस कराई जा सकी।

कोतवाल अवनीश सिंह, अपराध निरीक्षक राजेश यादव, वरिष्ठ उप निरीक्षक बृजेश कुमार यादव, महिला आरक्षी सोनिया शर्मा आदि की इस कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना की जा रही है। लोगों ने कहा कि ऐसी तत्परता से आम जनता का पुलिस पर विश्वास मजबूत होता है।

एसपी ने किया हसनगंज थाने का औचक निरीक्षण, दिए सख्त दिशा-निर्देश

हसनगंज (उन्नाव)। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने बुधवार को हसनगंज थाने का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना कार्यालय, महिला हेल्पडेस्क, सीसीटीएनएस कक्ष और पूरे परिसर का जायजा लिया। अभिलेखों की प्रविष्टियां चेक कीं और संबंधित पुलिसकर्मियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसपी ने कार्यालय में रखे अभिलेखों की बारीकी से जांच की। महिला हेल्पडेस्क की व्यवस्थाएं देखीं और सुधार के निर्देश दिए। सीसीटीएनएस की जांच के समय उन्होंने डेटा एंट्री की शुद्धता और गति में और बेहतर करने की जरूरत बताई। थाना परिसर का निरीक्षण करते हुए उन्होंने साफ-सफाई और रखरखाव को लेकर भी नाराजगी जताई और तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी आमजन से संवेदनशीलता और सजगता के साथ व्यवहार करें। जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करें। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी हसनगंज संतोष कुमार सिंह व थाना प्रभारी निरीक्षक भी मौजूद रहे।

करेंट की चपेट से तीन झुलसे, दो की मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सफीपुर(उन्नाव)। सरकारी नलकूप से पानी में उतरे करेंट की चपेट में आ जाने से वृद्धा सहित मां बेटे गंभीर रूप से झुलस गए।मौके पर मौजूद स्वजन तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सफीपुर लेकर पहुंचे जहां मौजूद चिकित्सक ने मां बेटे को मृत घोषित कर दिया वहीं गंभीर हालत देख वृद्धा को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

आसीवन थाना क्षेत्र के खरगौरा गांव निवासी रामराज अपनी सास शिवरानी 64 वर्ष,पत्नी माया 50 वर्ष और बड़े पुत्र रवि 35 वर्ष के साथ धान की रोपाई के लिए धान की बेढ़ की खुदाई करा रहे थे तभी अचानक खेत के बगल में लगे सरकारी नलकूप के किसी विद्युत तार से पानी में करेंट उतरने से वृद्धा शिवरानी पत्नी श्याम लाल ,माया और रवि गंभीर रूप से झुलस गए।हालत नाजुक देख परिजन तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सफीपुर लेकर पहुंचे जहां मौजूद चिकित्सक ने मां माया और बेटे रवि को मृत घोषित कर दिया।

पूर्वोत्तर रेलवे
सार्वजनिक अधिसूचना
(25000 वोल्ट शिरोपरि कर्षण तारों के ऊर्जित किये जाने के सम्बन्ध में।)
... नहीं जायेगा। क्रम सं. 1.- खण्ड का नाम : ... (Excl)- लाइन नं. 16 एवं 17 (Incl), ऊर्जा प्रवाह की तारीख 04.07.2025
वमंविइं/टीआरडी
मुजनवि/विद्युत-72 इज्जतनगर
"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!
वन्दे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी का मार्ग विस्तार
रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए रेलवे द्वारा चलाई जा रही निम्नलिखित वन्दे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी सं. 22490 / 22489 मेरठ सिटी–लखनऊ–मेरठ सिटी का मार्ग विस्तार **वाराणसी** तक करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण एवं समय–सारणी निम्नानुसार है:–

22490/22489 मेरठ सिटी-लखनऊ-मेरठ सिटी वन्दे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी का वाराणसी तक विस्तार

रेलगाड़ी सं. 22490 आगमन	रेलगाड़ी सं. 22490 प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 22489 आगमन	रेलगाड़ी सं. 22489 प्रस्थान
---	06:35	मेरठ सिटी	21:05	---
08:35	08:40	मुरादाबाद	18:50	18:55
10:04	10:06	बरेली	17:13	17:15
13:45	13:55	लखनऊ जं.	13:40	13:50
15:53	15:55	अयोध्या धाम जं.	11:40	11:42
18:25	---	वाराणसी जं.	---	09:10

चलने के दिन: 22490 मेरठ सिटी से और 22489 वाराणसी जं. से दिनांक 27.08.2025 से

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।
पर हमें फॉलो करें
उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
1989/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पैदल भ्रमण कर डीएम व एसपी ने ताजिया मार्ग का किया निरीक्षण

मोहर्रम के जुलूस वाले रास्ते का निरीक्षण करते हुए डी एम मधुसूदन हुलगी व एस राजेश कुमार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। आगामी मोहर्रम त्यौहार को शांतिपूर्ण ढंग से मनाये जाने के लिए बुधवार को सरायअकिल में जिलाधिकारी कौशाम्बी मधुसूदन हुलगी व पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा पैदल भ्रमण कर मोहर्रम के जुलूस के मार्गो का निरीक्षण किया गया। इस दौरान ताजिया रखने के स्थान व जुलूस के मार्गो का निरीक्षण करते हुए तजियादारों व क्षेत्र के सम्भ्रांत लोगों से वार्ता कर सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया तथा त्यौहार को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाये जाने हेतु लोगों से किसी भी अफवाहों पर ध्यान न देने को कहा। इस दौरान एस डी एम चायल व अधिशासी अधिकारी उपस्थित रहे।

दिव्यांगों को उपकरण वितरण हेतु किए गए रजिस्ट्रेशन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। जनपद शाहजहांपुर की तहसील जलालाबाद में दिव्यांगजन को उपकरण वितरण हेतु रजिस्ट्रेशन कार्यक्रम का आयोजन ब्लाक मुख्यालय पर किया गया। हाल में ही राज्य सभा सांसद मिथलेश कुमार ने सरकार से दिव्यांग लोगों को घर घर जाकर उनकी सुविधा अनुसार उपकरण उपलब्ध कराने हेतु स्वीकृति प्रदान करवाई थी।उसी के अंतर्गत आज बुधवार को शाहजहांपुर की तहसील जलालाबाद के खण्ड विकास कार्यालय पर रजिस्ट्रेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

क्षेत्र से आए सैकड़ों लोगों को सभागार में आयोजित हुए कार्यक्रम में संबोधित करते हुए राज्य सभा सांसद मिथलेश कुमार ने कहा कि सरकार दिव्यांग लोगों को लेकर संवेदनशील है और किसी भी दिव्यांग को कोई परेशानी न हो इसके लिए सभी दिव्यांगजनो को उनकी सुविधा अनुसार उपकरण प्रदान किया जाएगा।क्षेत्रीय विधायक हरिप्रकाश वर्मा ने कहा कि सरकार दिव्यांग लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न उठानी पड़े इसके लिए अब घर घर जाकर उपकरण वितरण किया जाएगा। खण्ड विकास अधिकारी रविकुमार ने भी लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सभा सांसद मिथलेश कुमार के प्रयास से अभी शाहजहांपुर वासियों के लिए ये सुविधा प्रदान की जा रही है और जल्द ही प्रदेश के अन्य जिलों में भी यह कार्य संचालित किया जाएगा।इस दौरान सांसद मिथलेश कुमार ने बताया कि दिव्यांग लोगों को ट्राइसाइकिल,व्हील चेयर,बेल्ट,कान की अत्याधुनिक मशीन,छड़ी आदि सभी प्रकार के उपकरण वितरण किए जायेंगे।आज के कार्यक्रम में कुल 124 लोगों का रजिस्ट्रेशन किया गया जिसमे 80 दिव्यांग तथा 44 व्याहृति का रजिस्ट्रेशन किया गया।

स्काउट-गाइड बनेंगे स्वच्छता व प्लास्टिक मुक्ति अभियान के एंबेसडर

- डीएम की अध्यक्षता में हुई जिला परिषद की बैठक, 11 प्रस्तावों पर चर्चा, आगामी कार्यक्रमों को मिली मंजूरी
- डीएम ने दिए निर्देश, स्कूली छात्र निभाएंगे ''पर्यावरण प्रहरी'' की भूमिका

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। प्रादेशिक मुख्य आयुक्त डॉ. प्रभात कुमार के निर्देशन में भारत स्काउट एंड गाइड की जिला परिषद की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता डीएम एवं परिषद की अध्यक्ष दुर्गा शक्ति नागपाल ने की। बैठक की शुरुआत स्काउट प्रार्थना के साथ हुई और सभी सदस्यों व स्काउट-गाइड पदाधिकारियों का परिचय कराया गया। इस दौरान उन्होंने वार्षिक कार्यक्रम पत्रिका का विमोचन भी किया।

डीएम ने कहा कि भारत स्काउट एंड गाइड केवल एक संगठन नहीं, बल्कि यह बच्चों में नैतिक मूल्यों, सेवा, नेतृत्व और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की नींव रखता है। विद्यालयों में सक्रिय स्काउट गाइड बच्चों के माध्यम से हम जनहित के मुद्दों को सीधे समुदाय तक पहुंचा सकते हैं। पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति, महिला सशक्तिकरण और स्वच्छता जैसे विषयों पर जागरूकता फैलाने में स्काउट गाइड की भूमिका निर्णायक होगी।

एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि स्काउट-गाइड के छात्र अनुशासन, सेवा और नेतृत्व के प्रतीक हैं। उनकी भागीदारी से समाज में जनजागरूकता के अभियान प्रभावी ढंग से संचालित किए जा सकते हैं।

बैठक में वर्ष 2024-25 के आय-व्यय अनुमोदन, वार्षिक आयव्यय प्रस्तुतीकरण, वर्ष 2025-26 के प्रशिक्षण व कार्यक्रमों के अनुमोदन समेत कुल 11 एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा और अनुमोदन किया गया। जिला कार्यकारिणी द्वारा पारित प्रस्तावों को अनुमोदन प्रदान किया गया। बैठक का संचालन जिला सचिव डॉ केसी मिश्रा एवं पर्यवेक्षण सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त लखनऊ मंडल पूनम संधू ने किया। पूनम संधू ने बैठक की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता बताई।

बैठक में एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त लखनऊ मंडल पूनम संधू, जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र, स्काउट सचिव केसी मिश्र सहित परिषद के अन्य सदस्य मौजूद रहे। सभी ने स्काउट-गाइड गतिविधियों के विस्तार और सामाजिक अभियानों में सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया।

महिला थाना से काउंसलिंग के द्वारा हुई 05 जोड़े पति-पत्नी की हुई विदाई

लखीमपुर खीरी। प्रभारी निरीक्षक महिला थाना श्रद्धा सिंह द्वारा पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा के दिशा निर्देशन में काउंसलरों के सहयोग से 11 परिवारिक विवादों में सुलह का प्रयास करके 05 जोड़े पति-पत्नी की विदाई कराके टूटने के कगार पर पहुंचें रिश्तों को पुनः जोड़ने का सराहनीय कार्य किया गया है म्बताते चलें कि जनपद मुख्यालय पर पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा के दिशा निर्देशन में महिला थाना परिसर प्रभारी निरीक्षक थानाध्यक्ष महिला थाना श्रद्धा सिंह, काउंसलर श्रीमती नीति गुप्ता , कय्यूम ज़रवानी के द्वारा दहेज उत्पीड़न , घरेलू हिंसा के उत्पीड़न, साक्षी गृहस्थी में निवास को लेकर उत्पन्न होने वाली समस्याओं के 11 शिकायती प्रार्थनापत्रों में काउंसलरों के सहयोग से 05 जोड़े पति-पत्नी की विदाई कराई गई है, साथ ऐसे में मामले जिसमें पति-पत्नी में अत्यधिक मनमुटाव था उन्हें सोचने समझने के लिए दोनों पक्षों की सहमति से समय दिया गया है, सुलह से विदाई करने में मुख्य महिला आरक्षी सीता, महिला आरक्षी बबली पवार, सारिका चौहान का काफी सराहनी सहयोग रहा है।

आवारा सांड की टक्कर से घायल एसआई रमेश शुक्ला का निधन

- आवारा पशुओं की समस्या बनी जानलेवा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जनपद के मोहम्मदी कस्बे में विगत रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। मोहम्मदी कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक (एसआई) रमेश शुक्ला को देर रात सीओ ऑफिस के समीप एक आवारा सांड ने जोरदार टक्कर मार दी। घटना उस समय हुई जब वे ड्यूटी से लौट रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि उन्हें गंभीर चोटें आईं। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें लखनऊ रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान आज सुबह उनकी मृत्यु हो गई।

एसआई रमेश शुक्ला अपने सौम्य स्वभाव, कार्यनिष्ठा और ईमानदारी के लिए जाने जाते थे। उनकी मौत से पुलिस विभाग और मोहम्मदी क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके परिजनों को गहरा आघात पहुंचा है, वहीं सहयोगी पुलिसकर्मी भी बेहद मर्माहत हैं। यह हादसा एक बार फिर इस बात की ओर इशारा करता है कि नगर क्षेत्र में आवारा पशुओं की समस्या किस कदर विकराल रूप ले चुकी है। मोहल्लों से लेकर मुख्य मार्गों तक सांड, गाय-बैल खुलेआम घूमते रहते हैं।

कई बार ये पशु लोगों पर हमला कर चुके हैं, वाहन चालकों के लिए भी ये बड़ा खतरा बन चुके हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर प्रशासन और संबंधित विभागों को इस दिशा में कई बार अवगत कराया गया, लेकिन ठोस कार्यवाही न होने के कारण आए दिन ऐसे हादसे हो रहे हैं। कई स्कूलों के पास, बाजारों और सरकारी कार्यालयों के बाहर भी अक्सर आवारा सांड देखे जाते हैं, जिससे आमजन में भय बना रहता है। अब स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि नगर में घूम रहे आवारा पशुओं को शीघ्र नियंत्रित किया जाए और उनकी उचित व्यवस्था की जाए, ताकि ऐसी दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

द्वेष भावना से वैमनस्यता फैलाने वालों की निंदा की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। कुर्मी क्षत्रिय समाज कल्याण समिति की एक आपात बैठक का आयोजन मंगलवार की शाम गोला की मिल बाईपास रोड स्थित पटेल संस्थान में अध्यक्ष संजील वर्मा की अध्यक्षता में किया गया। जिसका संचालन आशिकर वर्मा ने किया है। बैठक में द्वेष और संकुचित भावना से ग्रसित कुछ चंद लोगों के द्वारा वैमनस्यता फैलाने का कृत्य किया जा रहा है। ऐसे लोग आपसी भाईचारा, समता,सद्भाव एकता और सामाजिक सौहार्द खराब कर आपस में लड़ाने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे समाज और राष्ट्र विरोधी असामाजिक तत्वों की पटेल समाज घोर निंदा करता है ।ऐसे लोगों से सतर्क रहने की जरूरत है। इसके साथ ही सामाजिक, शैक्षिक, संघटनात्मक मुद्दों पर चर्चा की गई। इस मौके पर प्रधान अरविंद वर्मा, डॉक्टर रामशरण वर्मा, असिस्टेंट प्रोफ़ेसर अंकुर वर्मा, मुनीष वर्मा, अमित कुमार वर्मा, संदीप वर्मा समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

पलिया नगर की पहली बारिश ने खोली नगर पालिका की पोल, मोहल्ले बने जलमग्न टापू

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

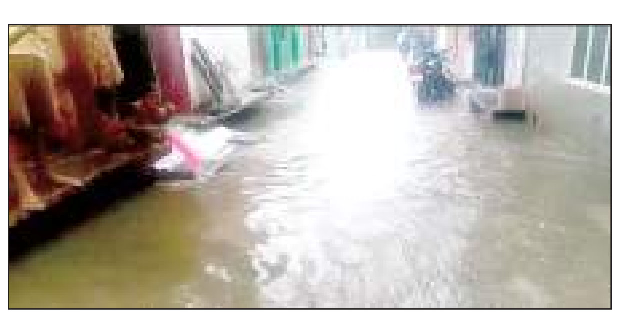

लखीमपुर खीरी। पलिया नगर में सोमवार देर रात से जारी मूसलाधार बारिश ने नगर पालिका प्रशासन की तैयारियों की पूरी पोल खोलकर रख दी है। नगर के प्रमुख मोहल्ले – इकराम नगर, महिगिरान, रंगरेजान समेत अनेक क्षेत्रों में जलभराव और नालियों के ओवरफ्लो होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। सड़कों से लेकर गलियों और लोगों के घरों-दुकानों तक नालियों का गंदा पानी भर गया है, जिससे स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय निवासी आसिफ हुसैन, रहमान, मोहम्मद अली और कई दुकानदारों ने बताया कि बारिश शुरू होते ही नगर के कई हिस्सों में पानी भर गया। उन्होंने नगर पालिका के जिम्मेदारों पर लापरवाही का आरोप लगाया। नगर वासियों का कहना है कि नई सड़कों का निर्माण ऊंचाई पर किया गया है, जिससे पुराने मकान सड़क स्तर से नीचे हो गए हैं और पानी सीधे घरों में भर रहा है।

वहीं, नगर में जल निकासी के लिए पूर्व में बनाए गए तालाबों और खंतियों पर अतिक्रमण कर निर्माण कर लिए गए हैं, जिन पर अब तक प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की है। गौरतलब है कि जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने पूर्व में ही सभी नगरीय क्षेत्रों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया था कि बारिश से पूर्व नालों की सफाई और जलभराव वाले क्षेत्रों की पहचान कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके बावजूद पलिया नगर पालिका प्रशासन इन निर्देशों पर अमल करने में विफल रहा, जिससे पहली ही बारिश में नगर जलमग्न हो गया है। नगर वासियों ने प्रशासन से तत्काल प्रभाव से सफाई अभियान तेज करने, जल निकासी की व्यवस्था बहाल करने और अतिक्रमण हटाने की मांग

सैकड़ों दिव्यांगों का गोला इंदिरा गांधी पार्क में धरना जारी, अधिकारों की अनदेखी पर जताया आक्रोश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला छोटी काशी कहे जाने वाले क्षेत्र में स्थित इंदिरा गांधी पार्क में सैकड़ों दिव्यांगजन पिछले दो दिनों से लगातार बारिश और भीषण गर्मी के बीच अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन पर बैठे हैं। भारतीय दिव्यांग यूनियन के बैनर तले यह प्रदर्शन चल रहा है, जिसमें गोला तहसील अध्यक्ष विकास कुमार, रियाजुद्दीन सभासद, हरीश कुमार और शाहित जैसे प्रमुख लोग शामिल हैं। प्रदर्शनकारी दिव्यांगजनों का कहना है कि उन्होंने 18 जून 2025 को जिलाधिकारी महोदया को अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा था, लेकिन अब तक न तो कोई प्रतिक्रिया मिली है और न ही कोई अधिकारी या कर्मचारी उनसे मिलने आया है। मुख्य मांगें:- अंत्योदय राशन कार्ड में दिव्यांगों को प्राथमिकता। मुद्रा लोन योजनाओं में दिव्यांगों को वरीयता। रोडवेज बसों में सम्मानजनक यात्रा की सुविधा। सरकारी अस्पतालों में अलग काउंटर व प्राथमिकता। मंडी समितियों में दिव्यांगों को आरक्षण का लाभ। भूमिहीन दिव्यांगों को ग्राम समाज व परती भूमि का आवासीय पट्टा। प्रदर्शनकारी दिव्यांगों का आरोप है कि अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा उनकी समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। उनका कहना है कि यदि एक सप्ताह के भीतर उनकी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो वे अपनी ट्राईसाइकिलों और मोटराइज्ड वाहनों से जिलाधिकारी कार्यालय तक मार्च कर धरना देंगे। समर्थन में आए नेताः- इस आंदोलन को भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष श्री कृष्ण वर्मा और भाकियू जिला अध्यक्ष कुलवंत सिंह का समर्थन प्राप्त हुआ है। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया है कि इस आंदोलन की अनदेखी करना जिला प्रशासन की संवेदनहीनता को दर्शाता है और यदि मांगे नहीं मानी गईं, तो इसके परिणामों की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

छोटे भाई ने घर पर किया कब्जा, पीड़ित ने दी अनशन की चेतावनी

बाँदा। अतर्रा थाना क्षेत्र स्थित नगर में नहर पार बिसंडा रोड़ निवासी सन्तराम पुत्र फकीरा ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर अपने छोटे भाई पर घर का ताला तोड़कर मकान पर जबरन कब्जा करने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है।पीड़ित सन्तराम ने पत्र में बताया,कि वह जब जीविकोपार्जन के सिलसिले में बाहर गया था,तभी उसके छोटे भाई श्यामलाल पुत्र फकीरा ने अपनी पत्नी और बेटों के साथ मिलकर मकान का ताला तोड़ दिया और जबरन कब्जा कर लिया।लौटने पर जब सन्तराम ने पुनः अपने घर में रहने की बात कही तो उसे गालियाँ दी गईं और जान से मारने की धमकी दी गई।सन्तराम ने चेतावनी दी है,कि यदि उसे शीघ्र ही उसका घर नहीं दिलाया गया तो वह मुख्यालय स्थित अशोक लाट में क्रमिक अनशन शुरू करने के लिए मजबूर होगा।इस संबंध में वह जिलाधिकारी को भी पत्र सौंप चुका है।पीड़ित ने श्यामलाल व उसके परिवार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए न्याय की गुहार लगाई है।

बिना दस्तावेज के चल रहा था हॉस्पिटल सीज

- स्वास्थ्य विभाग की टीम ने किया निरीक्षण
- दस्तावेज पूर्ण न होने पर न्यू केयर हॉस्पिटल को किया गया सीज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला गोकर्णनाथ में मंगलवार की शाम को पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सिनेमा रोड स्थित न्यू केयर हॉस्पिटल को सीज कर दिया है । दरअसल यह कार्रवाई दस्तावेज पूर्ण न होने को लेकर हुई है। हॉस्पिटल संचालक मौके पर नहीं मिला । इस दौरान हॉस्पिटल में 2 मरीज मिले जिसमें से एक मरीज का आपरेशन हुआ था । दोनों मरीजों को स्वास्थ्य विभाग के डाक्टरों की निगरानी में सीएचसी गोला भर्ती कराया गया बता दें कि मुख्य चिकित्साधिकारी संतोष गुप्ता से मिले निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से डाक्टर अशोक कुमार के साथ डाक्टर अकांक्षा न्यू केयर हॉस्पिटल पहुंची । जहां पर उन्होंने अस्पताल के दस्तावेज दिखाने को कहा । इस पर अस्पताल में मौजूद नर्स ने अस्पताल के संचालक से वार्ता करवायी । अस्पताल संचालक ने कुछ समय मांगा लेकिन, मौके पर दस्तावेज न पाये जाने से अस्पताल को ताला लगाकर सीज कर दिया गया । सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर गणेश ने बताया कि फर्जी हॉस्पिटल पर कार्रवाई लगातार चलेगी । जो अस्पताल मानक पूर्ण नहीं करते हों या उन्होंने अपने दस्तावेज तैयार नहीं करवाये हैं । उनको पहले नोटिस जारी की जायेगी उसके बाद अस्पताल को सील कर दिया जायेगा । इस हॉस्पिटल को पहले भी नोटिस जारी की जा चुकी थी ।

विद्यालयों के मर्ज किये जाने के विरोध मे कांग्रेस का प्रदर्शन आज

बांदा। प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के 5000 प्राइमरी एवं जूनियर विद्यालयों को मर्ज किए जाने के निर्णय के विरोध में, कांग्रेस पार्टी ने इसे छात्रों, युवाओं व बेरोजगारों के हितों पर कुठाराघात करार दिया है। इस जनविरोधी निर्णय के खिलाफ आवाज़ बुलंद करते हुए जिला/शहर कांग्रेस कमेटी बाँदा द्वारा 03 जुलाई 2025 को दोपहर 12 बजे, अवस्थी धर्मशाला, स्टेशन रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय पर एकत्र होकर, जिलाधिकारी श्रीमती जे. रीभा के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय के निर्देशानुसार, इस विरोध कार्यक्रम में सभी सम्मानित कांग्रेसजन, पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारीगण, पूर्व सांसद-विधायक, एआईसीसी व यूपीसीसी सदस्य, सभी फ्रंटल संगठनों व प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, वार्ड, ब्लॉक एवं नगर अध्यक्षों की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की गई है।

आरआरबी कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। ललित सिंह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष AIGBOO ''भारतीय मजदूर संघ,, ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों टटउप में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों की दीर्घकालिक उपेक्षा पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यह वक्तव्य देश की जनता और संबंधित प्रशासनिक तंत्र का ध्यान आरआरबी कर्मियों की अनदेखी हो रही न्यायसंगत मांगों की ओर आकृष्ट करने के उद्देश्य से जारी किया गया है। ललित सिंह ने बताया कि लगातार संवादहीनता और समस्याओं के समाधान में विलंब के चलते, अखिल भारतीय ग्रामीण बैंक अधिकारी संगठन (AIGBOO) एवं अखिल भारतीय ग्रामीण बैंक वर्कर्स संगठन (AIGBWO) – जो भारतीय मजदूर संघ (BMS) से संबद्ध हैं – ने चरणबद्ध आंदोलन की रणनीति अपनाई है। इसका उद्देश्य RRB कर्मचारियों की ज्वलंत मांगों को सार्वजनिक रूप से सामने लाना और समाधान की दिशा में दबाव बनाना है। प्रमुख मांगें आरआरबी के प्रस्तावित आईपीओ को रद्द किया जाए, जिससे इनकी सार्वजनिक एवं ग्रामीण प्रकृति सुरक्षित रह सके। .स्थानांतरण नीति में व्याप्त असमानताओं को समाप्त किया जाए। सेवा शर्तों में पूर्ण समानता लागू हो जैसे अवकाश नीति, स्टाफ ऋण, आवास भत्ता, आदि।

12वां द्विपक्षीय और 9वां संयुक्त नोट बिना विचलन के लागू किया जाए। पर्याप्त भर्ती सुनिश्चित हो और पदोन्नति की नीति वाणिज्यिक बैंकों के अनुरूप हो। दीर्घकाल से सेवा दे रहे अस्थायी कर्मचारियों का नियमितीकरण किया जाए। कर्मचारियों को दिए जाने वाले सभी लाभों का खर्च बैंक प्रबंधन द्वारा वहन किया जाए। RRB ट्रेड यूनियनों को IBA की वार्ताओं में सम्मिलित किया जाए, और उनके पदाधिकारियों को विशेष अवकाश मिले। पांच दिवसीय बैंकिंग कार्य दिवस और पुरानी पेंशन योजना की मांग तत्काल पूरी की जाए। 1 व 2 जुलाई 2025 ऽ कर्मचारियों द्वारा काली पट्टी पहनकर विरोध प्रदर्शन।

आचार्य द्विवेदी स्मृति पार्क एवं प्रतिमा स्थल का भूमिपूजन संपन्न

- अमेठी के सांसद केएल शर्मा, पद्मश्री सुधा सिंह एवं नगर पालिकाध्यक्ष ने की विधिविधान से पूजा
- 15.30 लाख रुपए से निर्मित होगा पार्क, रिलीज हुई डिजाइन
- आचार्य द्विवेदी समिति जनसहयोग से स्थापित करेगी 10 फीट ऊंची आदमकद प्रतिमा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

रायबरेली। अमेठी के सांसद केएल शर्मा, पद्मश्री सुधा सिंह एवं नगर पालिका अध्यक्ष शत्रोहन सोनकर ने सई नदी के किनारे राजघाट पर आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी स्मृति पार्क एवं प्रतिमा स्थल का भूमि पूजन किया। पंडित चंद्रभाल शास्त्री ने विधि विधान से पूजन अर्चन संपन्न कराया। 2 महीने में निर्माण पूरा होने के बाद समिति को सौंप दिया जाएगा। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी राष्ट्रीय स्मारक समिति पार्क में 10 फीट ऊंची आदमकद प्रतिमा स्थापित करेगी।

आचार्य द्विवेदी के जन्म स्थान दौलतपुर को जाने वाले मार्ग पर नगर पालिका की सीमा में राजघाट पर प्रस्तावित पार्क और प्रतिमा स्थल का भूमि पूजन अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा ने किया।

उन्होंने कहा कि आचार्य द्विवेदी समिति अपने संयोजक गौरव अवस्थी के नेतृत्व में पिछले 27 वर्षों से युग पुरुष आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी की स्मृतियों को सुरक्षित करने का अनुकरणीय काम कर रही है। समिति ने आचार्य जी की स्मृतियों से जुड़ने का अवसर भूमि पूजन के बहाने दिया है। हम लोगों का फर्ज है कि जनपद के महापुरुषों की स्मृतियों को आगे बढ़ाना। पद्मश्री सुधा सिंह ने कहा कि महापुरुषों की यादों को संजोया जाना जरूरी है। इसमें हर संभव सहयोग किया जाएगा।

नगर पालिकाध्यक्ष शत्रोहन सोनकर ने बताया कि पार्क की लागत लगभग 15 लाख 30 हजार रुपये है। उन्होंने पार्क की डिजाइन रिलीज करते हुए कहा कि गुरुवार से पार्क का निर्माण शुरू कर हो जाएगा। यह स्मृति पार्क आचार्य द्विवेदी के साहित्यिक अवदान को जनमानस में जीवंत बनाए रखने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा। पूजा में समाजसेवी सुशील कुमार गुप्ता, राही के ब्लॉक प्रमुख धर्मेंद्र यादव, सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश तिवारी, महामंत्री योगेंद्र दीक्षित, भाजपा के नगर अध्यक्ष आशुतोष पांडेय, लालगंज नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता, कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी शामिल रहे।

27 वर्षों से चल रहा है स्मृति संरक्षण अभियान

आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी राष्ट्रीय स्मारक समिति पिछले 27 वर्षों से आचार्य जी की स्मृतियों को संरक्षित करने का अभियान चला रही है। इसी क्रम में नगर पालिका द्वारा प्रस्तावित पार्क भी है। समिति की ओर से हर साल आचार्य जी की याद में राष्ट्रीय व्यक्तित्व को युग प्रेरक सम्मान से सम्मानित किया जाता है। सुमित के अध्यक्ष विनोद शुक्ला ने बताया कि पार्क में स्थापित होने वाली मूर्ति का ऑर्डर दे दिया गया है। पार्क का निर्माण पूरा होते ही मूर्ति स्थापित कर दी जाएगी।

भूमि पूजन में यह गणमान्य लोग रहे उपस्थित

भूमि पूजन समारोह में आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ मनीष चौहान, डॉ बृजेश सिंह, सचिव डॉ संजीव जायसवाल, वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति के अध्यक्ष युगल किशोर तिवारी, गिरीश मिश्रा, कृष्णानंद मिश्रा, कमलेश द्विवेदी, दादा जेपी त्रिपाठी, कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष वीके शुक्ल, उपाध्यक्ष विजय शंकर अग्निहोत्री प्रमेंद्र पाल सिंह गुलाटी, महासचिव अजीत सिंह, लाल आशकिरण सिंह राहुल वाजपेई, वरिष्ठ अधिवक्ता विकास त्रिपाठी, व्यापार मंडल अध्यक्ष अतुल गुप्ता, गुरजीत तनेजा, मुकेश रस्तोगी, साहित्यकार दुर्गा शंकर वर्मा, सूर्य प्रसाद शर्मा, इप्टा के संस्थापक संतोष डे, संतोष चौधरी, श्रीमती किरण शुक्ला, श्रीमती रेनू श्रीवास्तव, लक्ष्मीकांत शुक्ला, समाजसेवी लल्लन मिश्रा, शैलेंद्र सिंह, महेंद्र अग्रवाल, सभासद परमजीत सिंह गांधी, धर्मेंद्र द्विवेदी, वीरेंद्र रावत, पूर्व सभासद पूनम तिवारी समिति के कोषाध्यक्ष विनय द्विवेदी, सदस्य अरुण सिंह, महेश प्रताप सिंह, वीरेंद्र विक्रम सिंह, राजीव भार्गव, स्वतंत्र पांडेय, करुणा शंकर मिश्रा, राजेश द्विवेदी, राजेश वर्मा, अभिषेक मिश्रा, शशिकांत अवस्थी, क्षमता मिश्रा, प्रिया पांडेय के साथ नगर के तमाम गणमान्य नागरिक शामिल रहे।

पंत आईसीसी रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंचे बुमराह गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

एजेंसी

दुबई। भारत के आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम बल्लेबाजी रैंकिंग में बुधवार को एक स्थान के फायदे से छठे स्थान पर पहुंच गए। इंग्लैंड के खिलाफ पिछले हफ्ते एक ही टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले सिर्फ दूसरे विकेटकीपर बने पंत के करियर के सर्वश्रेष्ठ 801 रेटिंग अंक हैं। वह शीर्ष पर चल रहे इंग्लैंड के जो रूट से सिर्फ 88 अंक पीछे हैं। पंत ने जुलाई 2022 में करियर की सर्वश्रेष्ठ पांचवीं रैंकिंग हासिल की थी। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर बरकरार हैं और बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष भारतीय है। कप्तान शुभमन गिल एक स्थान के नुकसान से 21वें पायदान पर हैं। भारत के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट में 28 और नाबाद 53 रन की पारी खेलने वाले रूट ने दूसरे स्थान पर काबिज इंग्लैंड के अपने हमवतन हैरी ब्रूक पर 15 अंक की बढ़त बना रखी है। भारत के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 149 रन की मैच विजयी पारी खेलने वाले इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट करियर के सर्वश्रेष्ठ आठवें स्थान पर हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह 907 रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर कायम हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में पांच विकेट चटकाए थे। दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबादा और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर बरकरार हैं। जोश हेजलवुड एक स्थान के फायदे से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के स्पिनर नोमान अली को पछाड़ा। इस बीच भारत के रविंद्र जडेजा भी टेस्ट ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं।

विंबलडन 2025: फ्रेंच ओपन चैंपियन कोको गॉफ पहले ही दौर में बाहर

एजेंसी

लंदन। फ्रेंच ओपन 2025 की चैंपियन कोको गॉफ विंबलडन के पहले ही राउंड में चौंकाने वाली हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। अमेरिका की नंबर 2 वरीयता प्राप्त गॉफ को यूक्रेन की गैरवरीय डयाना यास्त्रेम्स्का ने सीधे सेटों में 7-6(3), 6-1 से हरा दिया। यह मुकाबला मंगलवार देर रात को प्रतिष्ठित नंबर 1 कोर्ट पर खेला गया। 21 वर्षीय गॉफ इस हार के साथ ओपन एरा में केवल तीसरी महिला बन गई हैं, जो फ्रेंच ओपन जीतने के बाद अगले ही ग्रैंड स्लैम यानी विंबलडन के पहले दौर में हार गईं। इससे पहले यह दुर्भाग्य जस्टिन हेनेन (2005) और फ्रांसेस्का स्कियावोने (2010) को झेलना पड़ा था। गॉफ के लिए यह मुकाबला बेहद निराशाजनक रहा। उन्होंने केवल छह विनर लगाए, जबकि 29 अनफोर्स्ड एरर किए, जिनमें नौ डबल फॉल्ट शामिल थे। वहीं यास्त्रेम्स्का ने 16 विनर लगाते हुए दबदबे के साथ मुकाबला अपने नाम किया। रोनाल्ड गैरोस की लाल मिट्टी पर कुछ हफ्ते पहले ही गॉफ ने नंबर 1 आर्यना सबालेंका को हराकर अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। इससे पहले उन्होंने 2023 यूएस ओपन में भी खिताब अपने नाम किया था। लेकिन विंबलडन, जहां उन्होंने 2019 में 15 साल की उम्र में वीनस विलियम्स को हराकर सनसनी मचाई थी, उनके लिए अब तक सबसे कमजोर ग्रैंड स्लैम साबित हुआ है। वह यहां अभी तक सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच सकी हैं और पिछले तीन वर्षों में यह दूसरी बार है जब वह पहले ही राउंड में बाहर हुई हैं। गॉफ के खिलाफ यह यास्त्रेम्स्का की पहली जीत थी। इससे पहले तीन मुकाबलों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। 42वीं रैंक की यास्त्रेम्स्का ने कहा, ल्मैं आज काफी लय में थी। कोको के खिलाफ खेलना अपने आप में खास होता है। यास्त्रेम्स्का ने हाल ही में नॉटिंघम में एक ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट के फाइनल तक का सफर तय किया था, जिससे उन्हें आत्मविश्वास मिला। उन्होंने कहा, मुझे घास पर खेलना बहुत पसंद है।

संक्षिप्त समाचार

वेस्टइंडीज के खिलाड़ी पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोप, सैमी ने न्याय और सही प्रक्रिया की मांग की

सेंट जॉर्ज (ग्रेनाडा)। वेस्टइंडीज की वर्तमान टीम के एक सदस्य पर यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए गए हैं जिसके बाद टीम के मुख्य कोच डेरेन सैमी ने न्याय की मांग की है, लेकिन साथ ही उचित प्रक्रिया का पालन करने पर भी जोर दिया है। गयाना के कैएटूर न्यूज में पिछले सप्ताह प्रकाशित एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एक किशोरी सहित 11 महिलाओं ने इस अज्ञात क्रिकेटर के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं, जिनमें से कुछ कथित तौर पर 2023 तक के हैं। अभी तक कोई औपचारिक मामला दायर नहीं किया गया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए सैमी ने स्थिति की गंभीरता को स्वीकार किया तथा कानूनी प्रक्रियाओं का सम्मान करने पर जोर दिया। पूर्व कप्तान सैमी ने कहा, ''मीडिया में जो कुछ चल रहा है, उससे हम सभी वाकिफ हैं। मैं अपने खिलाड़ियों के बहुत करीब हूं। मैंने उनसे बातचीत की है। एक बात मैं कह सकता हूं कि हम न्याय में विश्वास करते हैं। हमारा समुदाय ऐसा है जो मानता है कि न्याय होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हालांकि, इसकी एक प्रक्रिया है। आरोप लगाए गए हैं और हम अपनी तरफ से हरसंभव मदद करेंगे, ताकि उचित प्रक्रिया और सही प्रणाली का पालन सुनिश्चित किया जा सके। सैमी ने कहा कि किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले कानून को अपना काम करने देना चाहिए। उन्होंने कहा, ''ये आरोप हैं। हम न्याय प्रणाली को जानते हैं। आपको प्रक्रिया के लिए इंतजार करना होगा। मैं कोई न्यायाधीश नहीं हूं। जो जानकारी सामने आई है, वही हमारे पास है। मुझे पूरा यकीन है कि अंत में न्याय होगा। जब सैमी से पूछा गया कि क्या क्रिकेट वेस्टइंडीज ने जांच शुरू की है तो उन्होंने इसकी पुष्टि करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो मैं इसका जवाब नहीं दे सकता। मुझे पूरा यकीन है कि वे सही प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टेस्ट मैच गुरुवार से यहां खेला जाएगा।

ऐमा नवारो के खिलाफ हार के साथ क्वितोवा ने विंबलडन को अलविदा कहा

लंदन। दो बार की चैंपियन पेत्रा क्वितोवा ने मंगलवार को यहां अमेरिका की ऐमा नवारो के खिलाफ हार के साथ अपने पसंदीदा ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट विंबलडन को अलविदा कहा। चेक गणराज्य की 35 साल की क्वितोवा को 10वीं वरीय नवारो के खिलाफ सीधे सेट में 3-6, 1-6 से हार का सामना करना पड़ा। वर्ष 2011 और 2014 में यहां खिताब जीतने वाली क्वितोवा ने सितंबर में होने वाले अमेरिकी ओपन के बाद डब्ल्यूटीए टूर को अलविदा कहने की योजना बनाई है। भावुक क्वितोवा ने मैच के बाद कोर्ट पर दिए साक्षात्कार में कहा, ''यह जगह मेरे लिए सबसे अच्छी यादें समेटे हुए है। उन्होंने कहा, ''मैंने कभी विंबलडन जीतने का सपना नहीं देखा था और मैंने इसे दो बार जीता। यह बेहद खास बात है। क्वितोवा ने कहा, ''मुझे विंबलडन की कमी खलेगी। मुझे टेनिस की कमी खलेगी, मुझे आप प्रशंसकों की कमी खलेगी लेकिन मैं जीवन के अगले अध्याय के लिए भी तैयार हूं। वाइल्ड कार्ड आमंत्रण पर यहां खेलने वाली क्वितोवा मातृत्व अवकाश के कारण पिछले साल के टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाईं थी। क्वितोवा ने 2011 में यहां फाइनल में मारिया शारापोवा को 6-3, 6-4 जबकि 2014 में फाइनल में युगिनी बुचार्ड को 6-3, 6-0 से हराया था।

गुइरासी के दो गोल से डॉर्टमंड क्वार्टर फाइनल में

अटलांटा (अमेरिका)। सेरहो गुइरासी ने पहले हाफ में दो गोल किए, जिससे बोरूसिया डॉर्टमंड ने क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 16 के मैच में मॉन्टेरी को 2-1 से हरा दिया। गुइरासी ने 14वें और 24वें मिनट में गोल किए जो डॉर्टमंड को क्वार्टर फाइनल में पहुंचाने के लिए पर्याप्त थे। इन दोनों गोल में करीम अदीमी ने उनकी मदद की। वह अपने इस क्लब की तरफ से अभी तक कुल 37 गोल कर चुके हैं। पराजित टीम की तरफ से एकमात्र गोल जर्मन बर्टेरामे ने किया । क्वार्टर फाइनल में डॉर्टमंड का सामना शनिवार को न्यू जर्सी में रियाल मैड्रिड से होगा।

गोंजालो गार्सिया के गोल से रियाल मैड्रिड क्लब विश्व कप क्वार्टर फाइनल में

मियामी गार्डन्स (अमेरिका)। गोंजालो गार्सिया ने क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना तीसरा गोल किया, जिससे रियाल मैड्रिड ने राउंड ऑफ 16 में युवेंटस को 1-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे की गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल बीमारी के कारण गार्सिया ने रियाल मैड्रिड के सभी चार मैचों में शुरुआत की है। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने मंगलवार को 54वें मिनट में हेडर से गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। गार्सिया को 68वें मिनट में बाहर भेज दिया गया, जबकि एमबाप्पे ने क्लब विश्व कप में पदार्पण किया। बीमारी के कारण वह कुछ समय के लिए अस्पताल में भर्ती रहे और ग्रुप चरण के तीनों मैच में नहीं खेल पाए थे।

मेडी असिस्ट ने पैरामाउंट टीपीए का अधिग्रहण पूरा किया

नयी दिल्ली। मेडी असिस्ट इंश्योरेंस टीपीए प्राइवेट लिमिटेड ने पैरामाउंट हेल्थ सर्विसेज एंड इंश्योरेंस टीपीए में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। मेडी असिस्ट टीपीए ने बुधवार को बयान में कहा कि औपचारिक विलय प्रक्रिया पूरी होने तक दोनों कंपनियां स्वतंत्र रूप से काम करना जारी रखेंगी। इससे एक सहज बदलाव सुनिश्चित होता है क्योंकि दोनों कंपनियां अपने परिचालन को एकीकृत करती हैं और बेहतर मूल्य सृजन के लिए अपनी पेशकशों को संरेखित करती हैं। बयान के अनुसार, इस लेन-देन के साथ मेडी असिस्ट को स्वास्थ्य प्रीमियम में 4,000 करोड़ रुपये की वृद्धि होने की संभावना है। यह सौदा इसके प्रदाता नेटवर्क को भी बढ़ाता है और इसे सभी स्वास्थ्य बीमा खंडों में सेवाओं को अधिक कुशलतापूर्वक बढ़ाने के लिए परिचालन तालमेल का लाभ उठाने में सक्षम बनाता है।

डोप टेस्ट से बचने के लिए चार एथलीटों पर लगा प्रतिबंध कम किया गया

नयी दिल्ली। ट्रैक एवं फील्ड एथलीट पूजा रानी, किरण, पंकज और चेलिमी प्रत्यूषा पर डोप परीक्षण से बचने के लिए लगाया गया चार साल का प्रतिबंध एक साल के लिए कम कर दिया गया है, क्योंकि उन्होंने आरोप लगने के 20 दिन के भीतर अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। यह चारों खिलाड़ी उन कई एथलीटों में शामिल हैं, जिन्हें इस वर्ष की शुरूआत में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने डोपिंग रोधी नियमों के अनुच्छेद 2.3 के तहत निलंबित कर दिया था। यह अनुच्छेद किसी खिलाड़ी के बिना किसी ठोस कारण के नमूना संग्रह के लिए पेश होने से बचने, मना करने या असफल होने से संबंधित है। पहली बार अपराध करने पर अधिकतम प्रतिबंध अवधि चार वर्ष है, लेकिन नाडा नियमों के अनुच्छेद 10.8.1 के तहत अगर खिलाड़ी अपना अपराध स्वीकार कर लेते हैं तो उनकी सजा कम की जा सकती है। इस अनुच्छेद के अनुसार, चार वर्ष के प्रतिबंध से दंडित खिलाड़ियों को एक वर्ष की छूट मिलेगी, बशर्ते वे अपना अपराध और आरोप लगने के 20 दिनों के भीतर दंड स्वीकार कर लें।

एशियाई चैंपियन 100 मीटर बाधा दौड़ खिलाड़ी याराजी चोटिल

एजेंसी

नयी दिल्ली। एशियाई चैंपियन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक 100 मीटर बाधा दौड़ धाविका ज्योति याराजी को 'कुछ दिन पहले' ट्रेनिंग के दौरान घुटने में चोट लग गई जिससे सितंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए उनकी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली याराजी के पास सितंबर में तोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने का अच्छा मौका है लेकिन हाल में लगी चोट उनकी उम्मीदों पर पानी फ़ेर सकती है। राष्ट्रीय रिकॉर्ड (12.78 सेकेंड) धारक याराजी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ''कुछ दिन पहले ट्रेनिंग के दौरान मेरे घुटने में दुर्भाग्यपूर्ण चोट लगने के कारण मुझे ब्रेक लेना पड़ा। पिछले साल पेरिस ओलंपिक के बाद चोटिल होने के बाद मौजूदा सत्र में वापसी करने वाली 25 वर्षीय याराजी ने कहा, ''मैं अपने विकल्पों का आकलन करने और भविष्य पर निर्णय लेने के लिए अपनी मेडिकल टीम के साथ काम कर रही हूं। याराजी ने अब तक 12.73 सेकेंड के सीधे क्वालीफिकेशन समय को पार नहीं किया है लेकिन मई में एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने के दौरान उनके 12.96 सेकेंड के प्रयास ने उन्हें उन 16 खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है जो विश्व रैंकिंग के माध्यम से विश्व चैंपियनशिप में जगह बना सकते हैं। याराजी वर्तमान में उन खिलाड़ियों के बीच 12वें स्थान पर हैं जो विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से विश्व चैंपियनशिप में जगह बना सकते हैं लेकिन इसके लिए उन्हें प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपना स्थान बनाए रखना होगा। एथलीट दो तरीकों से विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर सकते हैं- पहला, क्वालीफाइंग स्तर को हासिल करके सीधा प्रवेश और दूसरा, विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से। क्वालीफिकेशन की समय-सीमा 24 अगस्त तक है। याराजी को 2024 पेरिस ओलंपिक के बाद फिनलैंड में प्रशिक्षण के दौरान कूल्हे में चोट लगी थी जिसके कारण उनकी ट्रेनिंग पर असर पड़ा। मौजूदा सत्र की शुरुआत में याराजी ने अपनी तकनीक में बदलाव किया। उन्होंने कहा, ''चोटें एथलीट के सफर का हिस्सा होती हैं और मैं इसे एक और बाधा के रूप में देख रही हूं जिसे मैं आप सभी के समर्थन और आशीर्वाद से जल्द ही पार कर लूंगी। मैं और अधिक मजबूत होकर वापस आऊंगी। याराजी ने फरवरी में उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में 100 मीटर बाधा दौड़ और 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप खिताब का बचाव करने से पहले फ़ेडरेशन कप में 100 मीटर बाधा दौड़ में शीर्ष स्थान हासिल किया। उनका पिछला खिताब सात जून को ताइवान एथलेटिक्स ओपन में आया।

जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए केशव महाराज, मुल्डर होंगे दक्षिण अफ्रीका के कप्तान

नई दिल्ली। अफ्रीका अफ्रीका के कार्यवाहक कप्तान केशव महाराज ग्रोइन इंजरी के कारण जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह बाएं हाथ के स्पिनर सेनुरन मुथुसामी को टीम में शामिल किया गया है। ऑलराउंडर वियान मुल्डर अब महाराज की अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी करेंगे। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने एक बयान में कहा, महाराज को यह चोट पहले टेस्ट के तीसरे दिन बल्लेबाजी के दौरान लगी थी। वह आगे की जांच के लिए स्वदेश लौटेंगे, ताकि उनकी चोट की गंभीरता का पता लगाया जा सके। बयान में यह भी कहा गया कि तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी, जिन्हें बुधवार को टीम से जुड़ना था, अब रिलीज कर दिया गया है ताकि पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाजों को एक और मौका मिल सके। दूसरा और अंतिम टेस्ट शनिवार, 6 जुलाई से शुरू होगा।

सरकार ने कैब कंपनियों को 'व्यस्ततम समय' के दौरान आधार मूल्य का दोगुना तक शुल्क लेने की अनुमति दी

एजेंसी

नयी दिल्ली। सड़क परिवहन मंत्रालय ने कैब एग्रीगेटर्स (सेवा प्रदाताओं) को 'पीक ऑवर' (व्यस्ततम समय) के दौरान आधार मूल्य का दो गुना तक शुल्क लगाने की अनुमति दे दी है, जो पहले 1.5 गुना था। गैर व्यस्ततम समय के लिए किराया, आधार मूल्य का न्यूनतम 50 प्रतिशत होना चाहिए। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने अपने 'मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशानिर्देश-2025' में कहा है कि 'एग्रीगेटर को मूल किराये से न्यूनतम 50 प्रतिशत कम किराया लेने तथा उप-खण्ड (17.1) के तहत निर्दिष्ट आधार किराये से अधिकतम दो गुना गतिशील मूल्य निर्धारण की अनुमति होगी। इसके अलावा, प्रभार्य आधार किराया न्यूनतम तीन किलोमीटर के लिए होगा, ताकि 'डेड माइलेज' की भरपाई की जा सके। इसमें बिना यात्री के यात्रा की गई दूरी, यात्रा की गई दूरी और यात्री (यात्रियों) को लेने के लिए उपयोग किया गया ईंधन शामिल है। दिशानिर्देशों के अनुसार, मोटर वाहनों की संबंधित श्रेणी या वर्ग के लिए राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित किराया, एग्रीगेटर से सेवाएं प्राप्त करने वाले यात्रियों के लिए देय आधार किराया होगा। राज्यों को तीन महीने के भीतर संशोधित दिशा-निर्देशों को अपनाने की सलाह दी गई है। कैब रद्दीकरण के मामले में, अगर रद्दीकरण, एग्रीगेटर द्वारा वैध कारण के बिना किया जाता है तो चालक पर किराये का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाएगा, जो 100 रुपये से अधिक नहीं होगा। बिना किसी वैध कारण के टिकट रद्द करने पर यात्री पर भी इसी प्रकार का जुर्माना लगाया जाएगा। दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि केंद्र सरकार एग्रीगेटर के रूप में लाइसेंस के लिए आवेदन की एकल-खिड़की मंजूरी के लिए एक पोर्टल विकसित और नामित करेगी। इसमें कहा गया है, एग्रीगेटर द्वारा देय लाइसेंस शुल्क पांच लाख रुपये होगा और लाइसेंस जारी होने की तारीख से पांच साल की अवधि के लिए वैध होगा। एग्रीगेटर्स को यह सुनिश्चित करना अनिवार्य किया गया है कि ड्राइवरों (वाहन चालकों) के पास कम से कम क्रमशः पांच लाख रुपये और 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य और सावधि बीमा हो। दिशा-निर्देशों में यह भी निर्दिष्ट किया गया है कि एग्रीगेटर द्वारा एक शिकायत अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी। दिशानिर्देशों के अनुसार, एग्रीगेटर को ऐसे वाहनों को शामिल नहीं करना चाहिए जो प्रारंभिक पंजीकरण की तारीख से आठ वर्ष से अधिक समय से पंजीकृत हैं और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके द्वारा शामिल किए गए सभी वाहनों को प्रारंभिक पंजीकरण की तारीख से आठ वर्ष से अधिक समय से पंजीकृत नहीं होना चाहिए।

कोयला उत्पादन 16 फीसदी और डिस्पैच 13 फीसदी 2025-26 की पहली तिमाही में बढ़ा

नई दिल्ली। देश में कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान कोयला का रिकॉर्ड उत्पादन 15.57 मिलियन टन (एमटी) और डिस्पैच 17.31 मिलियन टन (एमटी) रहा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि की तुलना में उत्पादन में 16.39 फीसदी और डिस्पैच में 13.03 फीसदी की वृद्धि हुई है। कोयला मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में इस वृद्धि को भारत के कोयला बुनियादी ढांचे के निरंतर मजबूत होने को दर्शाते हुए खनन क्षमताओं के बेहतर उपयोग और खनन क्षमताओं के बेहतर उपयोग का परिणाम बताया है। मंत्रालय ने एक ग्राफ के जरिये बताया है कि उत्पादन और डिस्पैच (प्रेषण) आंकड़े लगातार साल-दर-साल बढ़ गए हैं, जो कोयला क्षेत्र के ठोस प्रदर्शन का संकेत देते हैं। कोयला उत्पादन देशभर में प्रमुख उद्योगों की ऊर्जा और कच्चे माल की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

क्रिजैक लिमिटेड का आईपीओ खुला निवेशक 4 जुलाई तक कर सकेंगे निवेश

नई दिल्ली। क्रिजैक लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए बुधवार को खुल गया। निवेशक इस इश्यू के लिए 4 जुलाई तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 233-245 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इसके शेयर 9 जुलाई को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे। विदेशी शिक्षा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी क्रिजैक लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए 860 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। कंपनी ने अपने पहले निर्गम के लिए 2 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए मूल?य का दायरा 233-245 रुपये तय किया गया है। निवेशक इसके लिए न्यूनतम 61 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 61 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं, उसके बाद इस इश्यू के लिए 61-61 के मल्टीपल में ही निवेश किया जा सकेगा। क्रिजैक लिमिटेड का यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) होगा, जिसके तहत कुल 723 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयर बाजार में उतारे जाएंगे। इस इश्यू में पिंकी अग्रवाल और मनीष अग्रवाल की ओर से क्रमशः 137 करोड़ रुपये तक के शेयर बेचे जा रहे हैं। कंपनी को इस इश्यू से कोई नया फंड नहीं मिलेगा, बल्कि मौजूदा शेयरधारक ही अपनी हिस्सेदारी बेच रहे हैं। इस आईपीओ का प्रबंधन इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड और आनंद राठी एडवाइजर्स लिमिटेड कर रहे हैं, जो इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। वहीं, एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को इसका रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। ये ऑफर बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के जरिए लाया जा रहा है, जिसमें 50 फीसदी हिस्सेदारी क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी), 15 फीसदी नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स और 35 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित होगी।

विदेशों में महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों का अधिग्रहण करना चाहती है एनएमडीसी: सीएमडी

एजेंसी

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों के अपतटीय अधिग्रहण का सक्रिय रूप से मूल्यांकन कर रही है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अमिताव मुखर्जी ने कहा कि इससे वैश्विक मूल्य शृंखला में कंपनी की उपस्थिति मजबूत होगी। एंटीमनी, लिथियम, कोबाल्ट, तांबा जैसे महत्वपूर्ण खनिज सौर पैनल, पवन चक्की, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और ऊर्जा भंडारण प्रणालियों जैसी स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिए जरूरी हैं। भारत ने उनकी दीर्घकालिक उपलब्धता और प्रसंस्करण सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (एनसीएमएम) शुरू किया है। मुखर्जी ने कहा, अपनी वैश्विक खनिज विविधीकरण रणनीति के तहत, एनएमडीसी वैश्विक स्तर पर 10 रणनीतिक खनिज परिसंपत्तियों में अधिग्रहण के अवसरों का सक्रिय रूप से मूल्यांकन कर रही है। एनएमडीसी वैश्विक महत्वपूर्ण खनिज मूल्य शृंखला में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अमेरिका में महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक अधिग्रहण की संभावनाएं तलाश रही है। दुबई में एनएमडीसी कार्यालय के उद्घाटन के मौके पर उन्होंने कहा कि यह शहर वैश्विक अवसरों का प्रवेश द्वार है और नया कार्यालय, कंपनी के खनन परिदृश्य को दोबारा परिभाषित करने के लिए तैयार है।

सर्राफा बाजार में लौटी तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले कई दिनों से लगातार गिरावट का सामना करने के बाद आज घरेलू सर्राफा बाजार में जोरदार तेजी नजर आ रही है। सोना आज 920 रुपये से लेकर 1 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 3 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। भाव में तेजी आने की वजह से आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,410 रुपये से लेकर 98,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,210 रुपये से लेकर 90,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में भी तेजी आने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,10,700 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 98,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

मानसून सीजन के पहले दौर में उफनाने लगी गंगा नदी, गंगा घाट किनारे के मंदिर डूबे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। पहाड़ों के साथ मैदानी भाग में भी रूक–रूक कर हो रही बारिश से गंगा नदी उफनाने लगी है। गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी से वाराणसी में घाट की सीढ़ियां भी डूबने लगी हैं। घाट के सीढ़ियों से सटे छोटे–बड़े मंदिरों में भी गंगा की लहरें समाने लगी हैं। बुधवार को गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी दर्ज की गई। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार वाराणसी में बुधवार को गंगा 5.7 सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ रही है। सुबह आठ बजे तक 62.28 मीटर गंगा का जलस्तर दर्ज किया गया। गंगा में बढ़ाव का रूख बना हुआ है।

वहीं, मंगलवार शाम 6 बजे गंगा का जलस्तर 61.95 मीटर रहा। हालांकि वाराणसी में फिलहाल बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है। वाराणसी में चेतावनी बिंदु 70.26 मीटर और खतरे का निशान 71.26 मीटर है। वाराणसी से सटे जौनपुर में गंगा का जलस्तर सुबह आठ बजे तक 66.73 मीटर दर्ज किया गया। वाराणसी और आसपास के जनपदों में गंगा में बढ़ाव का रूख देख जिला प्रशासन सतर्क है। गंगा किनारे एनडीआरएफ और जल पुलिस टीम भी निगरानी कर रही है। गंगा किनारे तुलसीघाट के आगे की मिट्टी और रेत गंगा में डूब गई है और अस्सी के सामने भी मिट्टी का दो तिहाई जमाव डूब गया है। भदैनी, जानकी घाट, केदार घाट, पंचगंगा घाट, ललिता घाट, मान सिंह, दरभंगा घाट की सीढ़ियों तक पानी आ गया है। गंगा में बढ़ाव का रूख देख मांझियों को रोजी रोटी की चिंता सताने लगी है। गंगा में तेजी से बढ़ते जलस्तर को देखते हुए दशाश्वमेध घाट पर होने वाली प्रसिद्ध गंगा आरती का स्थान बीते मंगलवार को ही बदल दिया गया। आरती को ऊपरी सीढ़ी पर किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पिछले 10 दिनों से हो रही बारिश का असर गंगा और यमुना नदियों के जलस्तर में दिखने लगा है। जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें भी सतर्क हैं, ताकि किसी आपात स्थिति में तुरंत राहत कार्रवाई की जा सके।

ग्रामीणों और बदमाशों में भिड़ंत, अवैध तमंचा और बाइक सहित एक हिरासत में

सुलतानपुर। शिवगढ़ थाना क्षेत्र मे बीती रात किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के इरादे से आए लगभग छह बदमाशों को ग्रामीणों ने खदेड़ लिया। लोगों से घिरा देख बदमाशों ने हवाई फायरिंग की। बावजूद इसके बदमाशों से ग्रामीण भिड़ गए। एक बदमाश को बाइक समेत पकड़ लिया गया। करीब एक घंटे बाद तीन बाइक पर सवार होकर फिर लौटे बदमाशों की ग्रामीणों से भिड़ंत हो गई। इस बार की भिड़ंत में बदमाशों को एक और बाइक छोड़कर भागना पड़ा। पुलिस पकड़े गए बदमाश को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। शिवगढ़ थाना क्षेत्र मे मंगलवार रात हथियारों से लैश दो बाइक पर सवार लगभग छह बदमाश चौराहे पर दिखाई दिये। बदमाश किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के इरादे से चक्कर काट रहे थे। वहां मौजूद लोगों को उनके बाहरी होने का शक हुआ तो बदमाशों से पूछताछ करना चाहा। उनके पास कट्टा देख ग्रामीण भिड़ गए। लोगों से घिरता देख बदमाश हवाई फायरिंग कर भागने लगे। गोली चलने के बाद भी ग्रामीणों ने दौड़ाकर एक बदमाश को बाइक सहित पकड़ लिया। पकड़े जाते ही बदमाश ने कट्टा फेंक दिया। अंधेरे का लाभ उठाकर बाकी बदमाश फरार हो गए। सूचना पर पहुंची शंभूगंज चौकी पुलिस बदमाश और बाइक को ले गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि लगभग एक घंटे बाद तीन बाइक पर सवार होकर बदमाश फिर लौटे। इस बार भी बदमाशों को ग्रामीणों का विरोध देख एक बाइक छोड़कर कर भागना पड़ा। कुछ देर की खोजबीन के बाद ग्रामीणों को बदमाश द्वारा फेंका गया कट्टा मिल गया। शंभूगंज चौकी पुलिस दोबारा आई। ग्रामीणों ने कट्टा और बाइक उन्हें सौंप दिया। शिवगढ़ थाना प्रभारी पंडित त्रिपाठी ने बताया कि बदमाश से पूछताछ चल रही। आरोपित पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

शिकायतकर्ता के बेटे की गोली मार कर हत्या

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

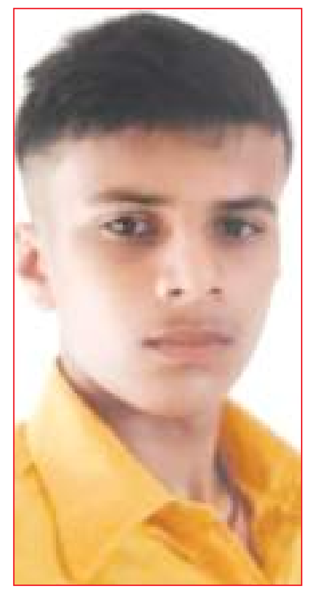

बस्ती। दुबौलिया थाना क्षेत्र में विकास योजनाओं में भ्रष्टाचार की शिकायत करना एक पिता को भारी पड़ गया और उसके इकलौते बेटे की गोली मारी कर हत्या कर दी गयी। बुधवार सुबह हत्या की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेजते हुए कार्रवाई शुरु कर दी है।

दुबौलिया ब्लॉक क्षेत्र के पेठिया लश्करी ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान एवं सचिव की मिली भगत से लाखों रुपये गबन की शिकायत लोकायुक्त एवं जिलाधिकारी से दुबौलिया थाना क्षेत्र के नियामतपुर गांव निवासी संतोष यादव ने की थी। शिकायतकर्ता को इस पर जान से मारने के लिए प्रधान के परिजन घेराबंदी करने लगे थे। पिछले जून माह में हरैया तहसील परिसर में शिकायतकर्ता संतोष यादव (जमालू) को प्रधान पक्ष के कुछ लोगों ने मारने का प्रयास किया था। इसकी तहरीर हरैया थाने में दी गई। आरोप है कि मामले में पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके पहले शिकायतकर्ता के फूस की झोपड़ी, जिसमें 65 बोरा गेहूं भूसे में रखा था जलाकर राख कर दिया गया था। जिसकी तहरीर दुबौलिया थाने में दी गई थी, लेकिन पुलिस ने इसमें भी मुकदमा दर्ज नहीं किया। भ्रष्टाचार के मामले में ग्राम प्रधान के विरुद्ध जांच चल रही है। मामले में जिलाधिकारी ने प्रधान और पंचायत सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पिछले सप्ताह संतोष यादव ने मंडलायुक्त को भी पत्र देते हुए शिकायत की थी। शिकायतकर्ता संतोष ने 16 जून को पुलिस अधीक्षक सहित डीजीपी को भेजें पत्र में पंचायत सचिव विनय कुमार शुक्ल, प्रधान प्रतिनिधि संतोष यादव (बब्बन), परिवारिक सदस्य अशोक यादव, राहुल यादव एवं अमर प्रताप यादव से अपने तथा परिवार के सदस्यों की हत्या की आशंका जताते हुए कार्यवाही की मांग की थी। शिकायतकर्ता संतोष यादव (जमालू) लगातार यह शिकायत कर रहे थे कि पंचायत सचिव के उकसावे में आकर प्रधान पक्ष मेरी हत्या की फिराक में लगे हैं, लेकिन पुलिस के तरफ से कोई ठोस कार्रवाई न होने से प्रधान पक्ष का मनोबल बढ़ता गया। इसके चलते ही उन्होंने एक जुलाई मंगलवार की रात 11 बजे घर के दरवाजे पर सो रहे बेटे अशोक यादव (16) को गोली मार हत्या कर दी गई। दुबौलिया थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बुधवार को बताया कि मृतक नाबालिग अशोक के बाबा हृदय राम यादव की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

दो जुलाई रात 11 बजे से 24 घंटे तक बंद रहेगा ओरछा स्टेशन अंडर पास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

ओरछा/झांसी। बुन्देलखण्ड की अयोध्या कही जाने वाली धार्मिक व पर्यटन नगरी ओरछा को झांसी से जोड़ने वाले मार्ग पर स्थित रेलवे के अंडर पास में बरसात में जल भराव की समस्या के चलते आवागमन में परेशानी का सबब बनी हुई है। हालत में सुधार के लिए रेलवे एक बार फिर से इसकी मरम्मत कराने जा रहा है। ऐसे में 2 एवं 3 जुलाई को 24 घंटे के लिए यहां से आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। अब ओरछा से झांसी और झांसी से ओरछा आने-जाने वाले आमजन के साथ ही श्रद्धालुओं को घूम कर आना-जाना पड़ेगा। उत्तर मध्य रेलवे के सहायक मंडल अभियंता ने एनएच -29 पर ओरछा रेलवे के पास बने हुए अंडर पास की रोड के सरफ़ेस की मरम्मत के लिए प्रशासन से आवागमन को प्रतिबंधित करने की अनुमति मांगी थी। इस पर कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में 2 जुलाई की रात 11 बजे से 3 जुलाई की रात 11 बजे तक इस मार्ग को बंद रखने की अनुमति दी गई है। रेलवे प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक 24 घंटे के लिए यह मार्ग पूरी तरह से बंद रहेगा। विदित हो कि ओरछा को झांसी से सीधे जोड़ने वाला यह प्रमुख मार्ग है। इसी मार्ग से झांसी, ग्वालियर से लेकर दिल्ली तक के श्रद्धालु सीधे ओरछा आते हैं। अब यह मार्ग 24 घंटे बंद रहने पर श्रद्धालुओं को कुम्हर्रा भट्टा गांव होकर आना-जाना पड़ेगा। ऐसे में लोगों को 5 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना होगा। उल्लेखनीय है कि इस अंडर पास की मरम्मत रेलवे तीसरी बार करा रहा है। निर्माण के समय इस पर ध्यान न देने से यहां पर हर समय जल भराव की समस्या बनी रहती है। बारिश के समय में तो यह परेशानी और भी जटिल हो जाती है। रेलवे द्वारा पहले भी दो बार किए गए काम के बाद इसका स्थाई समाधान नहीं हो सका है और अब तीसरी बार यहां पर मरम्मत कार्य होने जा रहा है। हालांकि इस समस्या के निदान के लिए एक और अंडर पास बनाया जा रहा है।

जूनियर बॉयज फुटबाल यूपी टीम का मेरठ में 4 और 5 जुलाई को होगा चयन

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ के निर्देश पर जूनियर बॉयज फुटबाल यूपी टीम की चयन प्रक्रिया चार और पांच जुलाई को स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी मेरठ के फिज़िकल एजुकेशन विभाग में प्रातः छह बजे से आरम्भ होगी। टीम में चयन के लिए ट्रायल तीन जुलाई को एमपीएस मुरादाबाद के मैदान में किया जाएगा। इस चयन प्रक्रिया में 1 जनवरी 2010 से 31 दिसंबर 2011 के मध्य के जन्म लेने वाले खिलाड़ी ही प्रतिभाग कर सकते हैं। यह जानकारी बुधवार को ज़िला फुटबॉल एसोसिएशन मुरादाबाद के महासचिव मुहम्मद नासिर कमाल ने मीडिया को दी। ज़िला फुटबॉल एसोसिएशन के महासचिव ने आगे बताया कि इच्छुक खिलाड़ी ट्रायल में भाग लेने के लिए गुरुवार को अपरान्ह तीन बजे एमपीएस मुरादाबाद के फुटबॉल मैदान पर सभी प्रपत्र, जिसमें नगर निगम की ओर से जारी आयु प्रमाण पत्र जन्म के एक वर्ष के भीतर जारी किया गया हो, आधार कार्ड, 4 रंगीन पासपोर्ट साइज़ फोटो, एआइएफएफ की पंजीयन शुल्क 118 रुपये एवं खेल किट व सभी मूल पत्रों के साथ उनकी छाया प्रति लेकर ज़िला फुटबॉल एसोसिएशन मुरादाबाद के सहायक सचिव आमिर मिर्ज़ा व सुरेंद्रपाल सिंह, महिला विंग की सचिव माधुरी देवी से सीआरएस पंजीयन के लिए संपर्क करें। चयन के लिए केवल उन्हीं खिलाड़ियों को अनुमति पत्र दिया जायेगा जो अपना पंजीयन करा लेंगे। चयन में जाने वाले खिलाड़ी अपना प्रयोग में आने वाला सभी सामान साथ लेकर जायेंगे ताकि चयनित होने पर कोई असुविधा ना हो।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर
समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्कमुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ईमेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

स्कूल चलो अभियान की रैली को विधायक ने दिखाई हरी झंडी

■ परिषदीय विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने का प्रयास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। 'स्कूल चलो अभियान' के द्वितीय चक्र की शुरुआत बुधवार को कंपोजिट विद्यालय गोल्हनपुर, विकासखंड राजगढ़ से हुई। इस अवसर पर मड़िहान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल ने बच्चों की जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में छात्र-छात्राओं ने शिक्षा के महत्व और स्कूल भेजने के संदेश के नारे लगाए।

सरकार की मंशा है कि परिषदीय विद्यालयों में अधिकतम नामांकन सुनिश्चित हो। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत छह वर्ष की आयु पूरी कर चुके सभी बच्चों का नामांकन अनिवार्य किया गया है। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों और शिक्षकों ने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजें और शिक्षा के प्रति जागरूक बनाएं। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी राजगढ़ संजय कुमार, ग्राम प्रधान इंस पटेल, एआरपी अरुण दूबे और अनिल कुमार सिंह, संकुल नोडल शिक्षक संजय कुमार सहित विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती चंद्रकला सिंह, शिक्षक दिलीप कुमार सिंह, सूर्यबली सिंह, महेश कुमार, सुनील कुमार सिंह, ओम राहुल सिंह, दूधनाथ सोनकर, राजेंद्र प्रसाद सिंह, मनोज कुमार सिंह समेत सैकड़ों शिक्षक, अभिभावक व छात्र उपस्थित रहे।

मुर्गा व्यापारी से लूट के तीन आरोपित मुठभेड़ में गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। मुरादाबाद के थाना बिलारी कोतवाली क्षेत्र के गांव अवूपुरा में पुलिस ने आज सुबह मुठभेड़ के दौरान लूट के तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि उन्होंने 27 जून को मुर्गा व्यापारी मोहम्मद नईम से एक लाख रुपये की लूट को अंजाम दिया था और इस समय फिर वह लूट की घटना को अंजाम देने जा रहे थे। गोली लगने से घायल एक आरोपित का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है, वहीं दो अन्य आरोपितों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें जिला कारागार भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि बुधवार सुबह पांच बजे पुलिस टीम बिलारी के गांव अवूपुरा में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक पर तीन युवक आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने इन्हें रुकने का इशारा किया तो इन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक युवक के पैर में गोली लगी। वह वहीं गिर गया। इसके बाद पुलिस टीम ने तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। एसपी देहात ने बताया कि गोली लगने से घायल पकड़ा गया आरोपित अब्बास उर्फ झमन है। इसके साथ ही पकड़े गए अयान व जुनैद हैं। पकड़े गए तीनों आरोपितों ने बताया कि मुर्गा व्यापारी मोहम्मद नईम से हुई लूट को उन्होंने अंजाम दिया था और वह आज फिर एक लूट की घटनाओं को अंजाम देने जा रहे थे।

गाजीपुर में मुठभेड़ के बाद 25 हजार के इनामी समेत तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गाजीपुर। गाजीपुर जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खानपुर और सैदपुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता मिली है। बुधवार तड़के हुई मुठभेड़ में पुलिस ने 25 हजार के इनामी समेत तीन शातिर बदमाशों को पकड़ लिया। जवाबी फायरिंग में तीनों बदमाशों के पैरों में गोली लगी, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तड़के थाना खानपुर प्रभारी निरीक्षक अपनी टीम के साथ पोखरा मोड़ पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान भुजउआ की तरफ से बिना हेलमेट तीन लोग एक बाइक पर आते दिखे। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया। बदमाशों ने बाइक को पुलिस कर्मियों पर चढ़ाने का प्रयास किया और भागने लगे। खानपुर पुलिस ने तत्काल कंट्रोल रूम और सैदपुर थाना को सूचना दी। सैदपुर थाना प्रभारी ने तत्परता दिखाते हुए बुढ़ीपुर मोड़ पर रास्ता रोककर घेराबंदी कर ली। खुद को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस पर देसी तमंचों से तीन राउंड फायरिंग की। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें तीनों बदमाशों के पैरों में गोली लगी और वे बाइक से गिर पड़े। पुलिस टीम ने सावधानी बरतते हुए घायल बदमाशों को दबोच लिया। पुलिस टीम ने मौके से तीन तमंचे, तीन जिंदा कारतूस और तीन खोखे बरामद किए हैं। तीनों बदमाशों की पहचान ग्राम कूड़ालंबी थाना खानपुर निवासी अविनाश यादव पुत्र स्वर्गीय भरत यादव, ग्राम नरकटा फोक थाना चन्दवक जिला जौनपुर निवासी विकास उर्फ करिया यादव पुत्र रामकुँअर, ग्राम कैंथवलिया थाना खानपुर निवासी देवेंद्र चौहान उर्फ कल्लू चौहान पुत्र वीरेंद्र चौहान के रूप में हुई।

सपा मुखिया अखिलेश यादव 2027 में आज़मगढ़ के 'आशियाने' से साधेंगे पूर्वांचल

■ अखिलेश नवनिर्मित कार्यालय और आवास का गुरुवार को करेंगे उद्घाटन व गृह प्रवेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

आज़मगढ़। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव तीन जुलाई को आज़मगढ़ जिले में बने अपने नवनिर्मित पार्टी कार्यालय और आवास का उद्घाटन के साथ गृह प्रवेश करेंगे। इस दौरान वे एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गई है। करीब एक सप्ताह से सांसद धर्मेन्द्र यादव तैयारियां का जायजा लेने के साथ ही विधानसभावार कार्यकर्ताओं की बैठक भी ले चुके हैं। माना जा रहा है कि आज़मगढ़ में अपने आशियाने से ही सपा मुखिया अखिलेश यादव 2027 में अब पूर्वांचल को साधेंगे।

राजनीति में कहा जाता है कि उत्तर प्रदेश की सत्ता का रास्ता पूर्वांचल से होकर ही गुजरता है। इसी को ध्यान में रखते हुए सपा मुखिया अखिलेश यादव ने जनवरी 2021 में आज़मगढ़ जिले के आजमगढ़-लखनऊ मुख्य मार्ग (एनएच 233) पर शहर से सटे अनवरगंज के महराजपुर में 38 बिस्वा 16 कड़ी जमीन को 11 किसानों से साढ़े छह करोड़ रुपये में खरीदा था। इसी भूमि पर मकान व पार्टी कार्यालय का निर्माण सांसद धर्मेन्द्र यादव व पार्टी के पदाधिकारियों की देखरेख में चल रहा था। आवास व कार्यालय के बन जाने के बाद अब उद्घाटन व गृहप्रवेश करने के लिए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव तीन जुलाई को आ रहे हैं। पार्टी पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी कर ली है। इस संबंध में समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता अशोक यादव का कहना है कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में जब मोदी सरकार के अश्वमेध का घोड़ा निर्बाध गति से दौड़ रहा था, तब उत्तर प्रदेश की सरजमी ने उनके घोड़े को बांधने का काम किया था। इसमें पूर्वांचल की जनता ने और मजबूती से इस काम को किया था। पूर्वांचल ही नहीं बल्कि पूरा उत्तर प्रदेश समाजवादियों की जमीन रही है, लेकिन पूर्वांचल से कुछ खास ही जनता का लगाव हमें मिला है। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष का आजमगढ़ में आवास और कार्यालय बन गया है। कल इसका उद्घाटन और गृहप्रवेश है। अब यही से जो भी राजनीतिक समीकरण होंगे, उनका जो राजनीतिक कार्यक्रम होगा, पूर्वांचल का पूरा राजनीतिक समीकरण यहीं से राष्ट्रीय अध्यक्ष साधेंगे। बीच-बीच में अब राष्ट्रीय अध्यक्ष अक्सर पूर्वांचल की धरती को साधने के लिए आजमगढ़ आते रहेंगें। आ.ज़मगढ़ के वरिष्ठ पत्रकार आलोक सिंह कहते है कि पूर्वांचल के गोरखपुर में सीएम योगी, वाराणसी में पीएम मोदी का संसदीय क्षेत्र है। तो वहीं इन दोनों जिलों के मध्य में आ.ज़मगढ़ जिला सपा का गढ़ है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आ.ज़मगढ़ में अपना आशियाना या कहें कि कैम्प आवास बनवा दिया है। अब सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का यह नवनिर्मित आशियाना पूर्वांचल में वर्ष 2027 के चुनावी गतिविधियों का केंद्र होगा। उल्लेखनीय है कि आ.ज़मगढ़ जिले को समाजवाद का गढ़ कहा जाता है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सपा ने आ.ज़मगढ़ में वर्ष 2012 के चुनाव में क्लिन स्वीप करते हुए 10 की 10 सीटों पर जीत हासिल की थी। वर्ष 2017 में 10 में 9 औ.र वर्ष 2022 में पुनः 10 में 10 सीटों पर जीत हासिल की थी। वही आ.ज़मगढ़ जिले में दो लोकसभा सीटे हैं, जिनमें आ.ज़मगढ़ सीट सपा की परंपरागत सीट मानी जाती है। यहां से वर्ष 2014 में मुलायम सिंह यादव, वर्ष 2019 में अखिलेश यादव व 2024 में धर्मेन्द्र यादव सांसद चुने गए। जबकि वर्ष 2022 में हुए लोकसभा उपचुनाव में सपा के धर्मेन्द्र यादव चुनाव हार गए थे और भाजपा के दिनेश लाल यादव निरहुआ ने जीत हासिल की थी। वही आ.ज़मगढ़ जिले के सुरक्षित लालगंज सीट पर वर्ष 2014 में भाजपा, 2019 में सपा-बसपा गठबंधन में बसपा और वर्ष 2024 में सपा ने जीत दर्ज की है। इसके साथ ही पूर्वांचल की बात करें तो पूर्वांचल में आने वाले 28 जिलों में विधानसभा की करीब 164 सीटें आती हैं। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में मोदी लहर में सपा को मात्र 14 सीटें मिली, जबकि वर्ष 2022 में सपा ने करीब 53 सीटों पर जीत हासिल की थी और इसके बावजूद दोनों बार सपा को सत्ता से बाहर होना पड़ा। यहीं कारण है कि सपा अपने गढ़ आ.ज़मगढ़ सहित पूर्वांचल पर मजबूत पकड़ बनाने के लिए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव अब अपने नये आशियाने से पूर्वांचल को साधेंगे।